RNI NO. PUNBIL/2014/59416
UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

यही फि क्र है ना कहीं, हो जाये नुकसान।
क्या जितना बिल बनेगा, कर देंगे भुगतान।
कर देंगे भुगतान, सोच में इसी पड़े हैं।
अस्पताल हम निजी, हमारे दाम बड़े हैं।
कह साहिल कविराय, योजना बहुत सही है।
हो जाये भुगतान, हमारी फि क्र यही है।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 351 | THURSDAY DATE 08-01-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

भारत जैव-बिटुमेन का व्यावसायिक उत्पादन करने वाला दुनिया का पहला देश बना : गडकरी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि भारत जैव-बिटुमेन का व्यावसायिक उत्पादन करने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है।

श्री गडकरी ने बुधवार को यहां वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण समारोह ह्यफ्रॉम फार्म रेज़िड्यू टू रोडः पायरोलिसिस के माध्यम से बायो-बिटुमेनह्ल को संबोधित करते हुए इस उपलब्धि को भारत के सड़क बुनियादी ढांचे के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार कृषि अपशिष्ट को एक बहुमूल्य राष्ट्रीय संसाधन में बदला जा सकता है।

जैव-बिटुमेन को उन्होंने विकसित भारत 2047 के विजन की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम करार दिया। सड़क परिवहन मंत्री ने कहा कि कृषि से उत्पन्न अपशिष्ट का उपयोग करने से फसल अवशेष जलाने से होने वाले प्रदूषण में कमी आती है और

चक्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि 15 प्रतिशत मिश्रण से देश को लगभग 4,500 करोड़ रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत हो सकती है और आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता में उल्लेखनीय कमी आएगी। मंत्री के अनुसार यह पहल किसानों को सशक्त बनाएगी, ग्रामीण क्षेत्रों में नए आजीविका के अवसर पैदा करेगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी। श्री गडकरी ने कहा कि जैव-बिटुमेन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की सतत विकास, आत्मनिर्भरता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार विकास की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए अनुसंधान परिषद और उसके वैज्ञानिकों को बधाई दी तथा निरंतर सहयोग के लिए अपने सहयोगी मंत्री जितेंद्र सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया।

जैव-बिटुमेन एक नवीकरणीय, पेट्रोलियम-मुक्त सामग्री है, जिसमें चिपकने वाले गुण होते हैं और इसका उपयोग सड़कों के निर्माण तथा वॉटरप्रूफिंग में किया जाता है।

यह कृषि से उत्पन्न जैविक अपशिष्ट जैसी सामग्रियों से तैयार किया जाता है और पारंपरिक बिटुमेन का एक विकल्प है।

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर में उग्रवादी भर्ती की साजिश नाकाम, प्रेपाक की दो महिला नेता गिरफ्तार

इंफाल, यूटर्न/ 07 जनवरी। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल कर उग्रवादी संगठन में युवाओं की भर्ती की साजिश को नाकाम किया है। इस कार्रवाई में प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेपाक (प्रेपाक) की दो महिला नेताओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात मणिपुर घाटी क्षेत्र के थौबल जिले के खंगाबोक गांव में विशेष अभियान चलाकर प्रेपाक की सक्रिय महिला नेताओं खुंड्राकपम निंगथौजम रोशिदिया (24) और लिशम बिद्या (30) को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी 4 जनवरी को काकचिंग जिले के काकचिंग खुनौ न्गाइखोंग लेइकाई क्षेत्र से तीन नाबालिगों के अपहरण के मामले की जांच के बाद की गई।

छात्रा से छेड़छाड़ और दीवार पर आई लव यू लिखने की सजा

आगरा, यूटर्न/ 07 जनवरी। उत्तरप्रदेश के आगरा में छात्रा का पीछा कर छेड़छाड़ और दीवार पर आई लव यू लिखने वाले आरोपित को न्यायालय ने एक वर्ष की सजा सुनाई है। पीड़िता उसके स्वजन द्वारा कई बार समझाने के बाद भी आरोपित मंजीत राठौर ने अपनी हरकत बंद नहीं हुई। इसके बाद पीड़िता ने उसके विरुद्ध सदर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मृत्युंजय श्रीवास्तव ने आरोपित को एक वर्ष की सजा एवं दो हजार रुपये के जुमार्ना लगाया। आरोपित 23 जनवरी 2025 से जेल में बंद है। सदर क्षेत्र निवासी पीड़िता ने जनवरी 2025 में आरोपित मंजीत राठौर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने डिफेंस कॉलोनी में बस्ती बावली मस्जिद के आसपास अतिक्रमण हटाने की याचिका निपटाई

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी। दिल्ली हाई कोर्ट ने डिफेंस कॉलोनी की बस्ती बावली मस्जिद और उसके आसपास अतिक्रमण हटाने की मांग वाली एक याचिका का निपटारा कर दिया है। यह याचिका गैर-सरकारी संगठन सेव

इंडिया फाउंडेशन ने दायर की थी। कोर्ट ने फिलहाल याचिका पर कोई सीधा आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। लेकिन, संबंधित प्राधिकारियों को शिकायत पर कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि स्पेशल टास्क फोर्स सहित कई उच्च अधिकारियों को 25 नवंबर 2025 को औपचारिक शिकायत दी गई थी, मगर अब तक अतिक्रमण हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। याचिका में मांग की गई थी कि एसटीएफ को इस शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए जाएं। याचिकाकर्ता का कहना था कि यह भूमि दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में दो शैक्षणिक संस्थानों के बीच स्थित है। एक तरफ सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय है और दूसरी तरफ शारदा पब्लिक स्कूल। इस जगह पर अवैध कब्जे की वजह से आम लोग और छात्रों को मूल लेआउट प्लान में निर्धारित खुले स्थान, खेल के मैदान या भविष्य में बनने वाले शैक्षणिक ढांचे का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्यंत गौतम को दी अंतरिम राहत, सोशल मीडिया पोस्ट 24 घंटे में हटाने का आदेश

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी। दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम द्वारा दायर मानहानि याचिका पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने उन्हें अंतरिम राहत देते हुए साफ निर्देश दिए कि सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अपलोड किए गए पोस्ट और वीडियो तुरंत हटाए जाएं। दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप), कांग्रेस और अन्य प्रतिवादियों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड किए गए पोस्ट और वीडियो को 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि अगर व्यक्तिगत प्रतिवादियों और राजनीतिक दलों द्वारा 24 घंटे के भीतर पोस्ट नहीं हटाए जाते हैं, तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को स्वतः ही सामग्री हटाने का निर्देश दिया जाएगा। कोर्ट ने प्रतिवादी और उनके एजेंटों को गौतम को इस मामले में कथित वीवीआईपी बताते हुए टारगेट करने वाले किसी भी पोस्ट को अपलोड करने या किसी भी सामग्री को पुनः पोस्ट करने से भी रोक दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 4 मई को तय की है। इस सुनवाई में यह देखा जाएगा कि प्रतिवादियों ने कोर्ट के आदेश का पालन किया या नहीं। गौरतलब है कि यह मामला उत्तराखंड की चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर इस मामले में दुष्यंत गौतम का नाम गलत तरीके से उछाला गया था।

राष्ट्र की संप्रभुता से जुड़े मुद्दों पर ले. जनरल सिन्हा देश के लिए प्रेरणास्रोत : राजनाथ

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि राष्ट्र की संप्रभुता से जुड़े मुद्दों पर स्पष्ट और दृढ़ नीति के साथ आगे बढ़ते भारत के लिए दिवंगत लेफ्टिनेंट जनरल श्रीनिवास कुमार सिन्हा जैसी विभूतियां प्रेरणास्रोत हैं।

श्री सिंह ने लेफ्टिनेंट जनरल सिन्हा की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में यहां आयोजित स्मृति व्याख्यान के दौरान वीडियो संदेश में यह बात कही। लेफ्टिनेंट जनरल सिन्हा भारतीय सेना के विशिष्ट अधिकारी थे, जिन्होंने बाद में नेपाल में भारत के राजदूत तथा असम और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में भी सेवा दी। रक्षा मंत्री ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र के प्रति उनकी अटूट निष्ठा और समर्पण की सराहना की।

उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सिन्हा ऐसे महान सैनिक, राजनयिक और राज्य के कार्यकारी प्रमुख थे जिन्होंने हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखा। रक्षा मंत्री ने अपने संदेश में उस समय का भी उल्लेख किया जब 1926 में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल सिन्हा ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बर्मा मोर्चे पर चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश का प्रतिनिधित्व किया।

उन्होंने 1947 में पाकिस्तान समर्थित

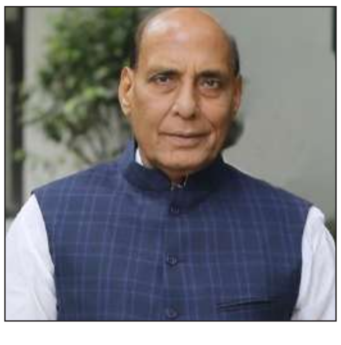

बलों के कश्मीर की ओर बढ़ने के दौरान भारतीय सेना की पहली एयरलिफ्ट को श्रीनगर तक समन्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। भारतीय और ब्रिटिश स्टाफ कॉलेजों में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और पेशेवर दक्षता की सराहना करते हुए रक्षा मंत्री ने उन्हें असाधारण बौद्धिक क्षमता वाला साहसी अधिकारी बताया। श्री सिंह ने सैन्य खुफिया निदेशक, एडजुटेंट जनरल तथा विभिन्न कमान पदों पर रहते हुए भारतीय सेना को आधुनिक सोच और संस्थागत मजबूती प्रदान करने के लिए लेफ्टिनेंट जनरल सिन्हा के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद भी उनका योगदान जारी रहा। नेपाल में भारत के राजदूत के रूप में उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ किया और असम तथा जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल के रूप में सुरक्षा और विकास के लिए कार्य किया।

उन्होंने कहा कि यदि भारत को सुरक्षित, आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनना है तो जनता को लेफ्टिनेंट जनरल सिन्हा के आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने लेफ्टिनेंट जनरल सिन्हा को सैनिक-राजनेता, विद्वान योद्धा और चरित्रवान व्यक्ति बताया।

सशस्त्र बलों के कर्मियों से उनके सैन्य और नागरिक कार्यकाल से सीख लेने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेतृत्व को ऐसी संस्कृति विकसित करनी चाहिए जहां पेशेवर सैन्य शिक्षा, विचार-विमर्श और ईमानदारी को वीरता के समान महत्व दिया जाए।

उन्होंने कहा, मध्य स्तर के अधिकारियों को अपने शरीर के प्रशिक्षण के साथ-साथ अपने मस्तिष्क में भी उतनी ही मेहनत से निवेश करना चाहिए। युवा अधिकारियों और अन्य रैंकों को कड़ा प्रशिक्षण लेना चाहिए, अनुशासन को महत्व देना चाहिए, साथ ही आत्ममंथन की आदत विकसित करनी चाहिए, दृढ़ता के साथ नेतृत्व करना चाहिए लेकिन संवेदनशीलता भी बनाए रखनी चाहिए और यह याद रखना चाहिए कि साहस केवल युद्धभूमि में ही नहीं, बल्कि नैतिक स्पष्टता में भी निहित होता है।

सीएम योगी का बड़ा फैसला असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा निरस्त

» **लखनऊ, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

उत्तर प्रदेश सरकार प्रदेश में होने वाली सभी भर्तियों और चयन प्रक्रियाओं को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अभ्यर्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक अहम निर्णय लेते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा को निरस्त करने के आदेश दिए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा विज्ञापन संख्या 51 के अंतर्गत सहायक आचार्य पद के लिए अप्रैल 2025 में आयोजित परीक्षा में अनियमितताओं, धांधली और अवैध धन वसूली की

शिकायतें सामने आई थीं। इन शिकायतों के आधार पर एसटीएफ यूपी को सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री द्वारा गोपनीय जांच के आदेश दिए गए। जांच के दौरान एसटीएफ ने 20 अप्रैल 2025 को असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा के फर्जी प्रश्नपत्र बनाकर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों- महबूब अली, बैजनाथ पाल और विनय पाल को गिरफ्तार किया।

सोमनाथ मंदिर पर नेहरू का विरोध, मस्जिदों की मरम्मत पर नहीं थी आपत्तिः सुधांशु त्रिवेदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

सोमनाथ मंदिर पर पहले हमले के 1,000 साल पूरे होने और मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर पंडित नेहरू के विरोध जैसे महत्वपूर्ण विषय पर बुधवार को भाजपा कार्यालय में सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि बहुत ही दुखद बात है कि अप्रैल 1951 में जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और कहा कि जो कुछ सोमनाथ मंदिर के लिए हो रहा है, वह बिल्कुल गलत है।

उन्होंने कहा, उस समय जो मानसिकता थी, वही मानसिकता आज भी दिख रही है। मुस्लिम लीग की सोच, अव्यवस्था और भ्रम के साथ जुड़ाव था। माओ और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ तालमेल था, साथ ही सनातन हिंदू धर्म पर गंभीर हमले हो रहे

थे। जो तब हो रहा था, वही अब हो रहा है। इसलिए, इसकी प्रासंगिकता और इस मानसिकता का स्वरूप बहुत गंभीर है।

उन्होंने कहा, आप सबने देखा होगा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण मामला है कि अप्रैल 1951 में जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री को एक चिट्ठी लिखी थी। खास बात यह है कि यह लियाकत अली खान थे, जो अंतरिम सरकार में पाकिस्तान के पहले प्रधानमंत्री बने थे।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

छावनी बना दिल्ली का तुर्कमान गेट : मस्जिद के पास बुलडोजर एक्शन

भीड़ ने किया पुलिस पर पथराव ; आंसू गैस का प्रयोग

» **दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

देश की राजधानी दिल्ली के तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण पर एमसीडी की बुलडोजर कार्रवाई की। टउऊने दिल्ली हाई कोर्ट के निदेर्शों पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। देर रात हुई कार्रवाई का स्थानीय लोगों ने विरोध किया। देखते ही देखते भीड़ आक्रोशित हो गई।

भीड़ ने पुलिस और कार्रवाई कर रही टीम पर पथराव कर दिया। पथराव के बाद इलाके में तनाव का माहौल हो गया। हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण हटाने के कार्रवाई के दौरान कुछ उपद्रवियों ने पत्थराव कर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हालात काबू किए। पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी छोड़े। फिलहाल स्थिति सामान्य है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली के रामलीला मैदान इलाके में सैयद फैज इलाही मस्जिद और पास के कब्रिस्तान से सटी जमीन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हिंसक रूप ले ली।

दिल्ली हाई कोर्ट के निदेर्शों के बाद दिल्ली नगर निगम (टउऊ) के अधिकारी जब तोड़फोड़ करने पहुंचे, तो स्थानीय लोगों के एक समूह ने कथित तौर पर पत्थरबाजी की, जिसमें कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे। सेंट्रल रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के निदेर्शों के अनुसार, एमसीडी ने सात जनवरी को तड़के दिल्ली के रामलीला मैदान के पास तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण हटाया।

दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में बुलडोजर एक्शन पर भाजपा सांसद बोले- अतिक्रमण बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा

दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके में बुधवार सुबह अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान हुई पथराव की घटना पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेताओं ने कहा कि दिल्ली में कतई भी अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, लेकिन किसी भी हालत में अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एमसीडी या डीडीए की ओर से जो भी कार्रवाई जरूरी है, वह की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कतई भी अतिक्रमण नहीं करने दिया जाएगा, इसके लिए हर संभव कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश पर की गई है। उन्होंने कहा, मैं पुरानी दिल्ली का रहने वाला हूं और यहां के लोग शांति पसंद हैं। अतिक्रमण हटाने का काम पूरी तरह से कानून के तहत और हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार किया गया। एजेंसियों ने हाईकोर्ट के निदेर्शों का पालन किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले पर नजर रख रही है।

वहीं, इस मामले पर दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि चाहे वह हाईकोर्ट का आदेश हो या सुप्रीम कोर्ट का, इसे लागू करना पुलिस और सरकार का कर्तव्य है। उन्होंने कहा, हाई कोर्ट के आदेशों का पालन किया जा रहा है। लेकिन जो लोग ऐसी (पत्थरबाजी) हरकतें कर रहे हैं, वे गलत हैं। पुलिस को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

मंत्री आशीष सूद ने कहा कि फैज-ए-इलाही मस्जिद अपनी तय जगह पर है। जो कार्रवाई हो रही है, वह मस्जिद के आसपास के अवैध अतिक्रमण के खिलाफ हो रही है। मस्जिद पर कोई असर नहीं पड़ा है। प्रशासन पूरी तरह अलर्ट और तैयार है।

फटाफट खबरें

तेजाब पीने से महिला की मौत के मामले में पति और ससुर गिरफ्तार

लोनी, यूटर्न/ 07 जनवरी। तेजाब पीने से महिला की मौत के मामले में पुलिस ने पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पूर्वी मुस्तफाबाद कॉलोनी में रहने वाले सादाब ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उनकी बहन नेहा (23) की शादी थाना पाबी सादकपुर में रहने वाले जफरूद्दीन के बेटे सुहैल से की थी। आरोप है कि नेहा के पति समेत ससुराल पक्ष के लोग विवाह के बाद से दहेज में बाइक और पांच लाख रुपये की मांग कर प्रताड़ित करते थे। सादाब के मुताबिक विवाह के बाद बहन को पुत्र हुआ था। इसके बाद भी ससुराल पक्ष के लोग बहन को दहेज के लिए प्रताड़ित करते रहे। सुसराल पक्ष के लोगों ने बहन के साथ मारपीट कर तेजाब पिला दिया था। बहन को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने शिकायत पर पति सुहैल, ससुर जफरुद्दीन, सास नाजरा, ननदोई इम्तियाज, ननद फरहीन व जेठ सलमान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी।

तीन राज्यों में दौड़ लगवाने के बाद पिंकी चौधरी पकड़ा गया

साहिबाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी।
शालीमार गार्डन क्षेत्र में 29 दिसंबर को हिंदू रक्षा दल के कार्यालय पर तलवारें बांटने और उन्हें लहराते हुए उग्र प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की गई थी। इसके चलते मौके पर जाम व शांति भंग के हालात पैदा हो गए थे। इस मामले के मुख्यारोपी हिंदू संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी, उनके बेटे हर्ष चौधरी को मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों 29 दिसंबर के बाद से गिरफ्तारी से बचकर भाग रहे थे।
इस दौरान उन्होंने पुलिस को यूपी, दिल्ली और उत्तराखंड तक दौड़ाया। पुलिस की पूछताछ में तलवारें बांटने की बात दोनों ने स्वीकार की है। कोर्ट से दोनों पिता-पुत्र को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।
एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 29 दिसंबर को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। वीडियो में हिंदू रक्षादल कार्यालय के बाहर कुछ लोग तलवार बांटते दिखाई दे रहे थे। यहां तक कि संगठन के लोगों ने धार्मिक नारेबाजी करते हुए उग्र प्रदर्शन भी किया। इस वजह से मौके पर भगदड़ मच गई। रास्ता बाधित होने की वजह से कई बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भीड़ में फंस गई। दो-तीन एंबुलेंस को भी निकलने का रास्ता नहीं मिला और अफरा-तफरी के हालात पैदा हो गए थे। पुलिस मौके पर पहुंची तब संगठन के लोग भाग खड़े हुए।

फिर से बेहद खराब श्रेणी में राजधानी की फिजा, जानें आज कितना दर्ज किया एक्यूआई

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।
राजधानी में हवा की गति सुस्त होने और पारा गिरने के चलते फिजा एक बार फिर से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, बुधवार सुबह दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 304 दर्ज किया गया है, जो ह्यबेहद खराबह्ण श्रेणी में आता है। राजधानी के विभिन्न इलाकों में एक्यूआई की स्थिति पर नजर डालें तो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के अलीपुर में 284, आनंद विहार में 351, अशोक विहार में 319, आया नगर में 244, बवाना में 191, बुराड़ी में 273, और चांदनी चौक इलाके में 347 एक्यूआई दर्ज किया गया है।

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विधानसभा में भाजपा का प्रदर्शन, दो बार सदन स्थगित; आप ने दिया धरना

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

विधानसभा में मंगलवार को आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल के खिलाफ भाजपा विधायकों ने प्रदर्शन किया। स्कूलों और शिक्षकों से जुड़े मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई, जिसके चलते सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। सदन दोपहर बाद चल पाया।

भाजपा विधायकों ने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली के स्कूलों और शिक्षकों से जुड़े मामले में जानबूझकर भ्रम फैला रहे हैं। केजरीवाल सोशल मीडिया के जरिए तथ्यहीन बातें फैला रहे हैं और दिल्लीवासियों को गुमराह कर रहे हैं। भाजपा ने मांग की कि केजरीवाल इस पूरे मामले पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। हंगामे के चलते पहली बार कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इसके बाद दोपहर में जब सदन दोबारा बैठा, तब भी वही हालात बने रहे। इस दौरान आम आदमी पार्टी प्रदूषण के मुद्दे पर आक्रामक दिखी, जबकि भाजपा विधायक केजरीवाल के खिलाफ नारेबाजी करते रहे। स्थिति बिगड़ने पर सदन को दूसरी बार स्थगित करना पड़ा। लंच ब्रेक के बाद कार्यवाही सामान्य रूप से शुरू हो सकी।

आशीष सूद ने केजरीवाल को लिखा पत्र

शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इस मामले में अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर माफी की मांग की है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल न सिर्फ पूर्व मुख्यमंत्री हैं, बल्कि आप पार्टी के प्रमुख और एक पूर्व ब्यूरोक्रेट भी रह चुके हैं। ऐसे में स्कूल शिक्षकों और कुत्तों से जुड़े मुद्दे पर बिना तथ्यों के बयान देना बेहद निंदनीय है।

राष्ट्रविरोधियों के साथ खड़ी आप - सूद

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शर्जिल इमाम और उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज होने पर आप सांसद संजय सिंह का अदालत के फैसले से असहमति जताना आप पार्टी और केजरीवाल के नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उनके मुताबिक, राष्ट्रविरोधी गतिविधियों से जुड़े लोगों का समर्थन करना आम आदमी पार्टी की राजनीति को संदिग्ध बनाता है।

विधानसभा से आम आदमी पार्टी को दोहरा झटका

दिल्ली विधानसभा से आम आदमी पार्टी को एक साथ दो बड़े झटके लगे हैं। एक ओर फांसी घर विवाद में विशेषाधिकार समिति ने अपनी जांच रिपोर्ट सौंपते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत चार नेताओं पर कार्रवाई की मांग की है, तो दूसरी ओर उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान आप विधायकों पर हुई कार्रवाई के बाद नेता विपक्ष आतिशी के दिये मीडिया में बयानों को लेकर विशेषाधिकार समिति को जांच के निर्देश दे दिए गए हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने आतिशी के इन बयानों को अपरिपक्व बताया है। साथ ही उन्हें चेतावनी दी गई है कि आगे से मीडिया में ऐसे

भ्रामक बयान देने से बचें। एक ही सत्र में दो अलग-अलग मामलों में कार्रवाई और जांच के आदेश से आम आदमी पार्टी की सियासी मुश्किलें विधानसभा के भीतर और बढ़ती दिख रही हैं।

आप नेताओं के शिक्षकों से जुड़े बयान की शिक्षा समिति करेगी जांच

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों से जुड़े बयान की जांच के लिए मामला विभागीय स्थायी समिति को सौंपा गया है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष आतिशी के उस दावे को भी सिरे से खारिज किया है, जिसमें उन्होंने विधायकों के निलंबन को मास्क पहनने से जोड़ा था।

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में बताया कि भाजपा विधायक अजय महावर से उन्हें एक शिकायत मिली थी। शिकायत में कहा गया कि आम आदमी पार्टी के संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, विधायक संजीव और अन्य आप नेता मीडिया के जरिये यह आरोप लगा रहे हैं कि दिल्ली सरकार ने सरकारी शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती करने का आदेश दिया है। स्पीकर ने कहा कि दिल्ली सरकार इस दावे का कई बार खंडन कर चुकी है और स्पष्ट कर चुकी है कि ऐसा कोई आदेश जारी नहीं किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए इसे डिपार्टमेंट रिलेटेड स्टैंडिंग कमेटी ऑन एजुकेशन को सौंपा जा रहा है। यह समिति पूरे प्रकरण की जांच कर जल्द अपनी रिपोर्ट सदन में पेश करेगी। इसके बाद वे उचित कदम उठाएंगे।

आतिशी के बयानों पर भी कड़ी टिप्पणी

विधानसभा अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष आतिशी के बयानों पर भी कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आतिशी मीडिया को गुमराह कर रही हैं और सदन की कार्यवाही को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उपराज्यपाल के अभिभाषण के दौरान चार विधायकों संजीव झा, सोम दत्त, कुलदीप कुमार और जरनैल सिंह को मास्क पहनने के कारण नहीं, बल्कि जानबूझकर सदन की कार्यवाही में बाधा डालने के कारण निलंबित किया गया था। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई विधानसभा की गरिमा, अनुशासन और नियमों के अनुरूप की गई है।

बड़े बकायेदारों की सूची तैयार, 15 जनवरी से जारी होगी नोटिस

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। 31 मार्च से पूर्व लक्ष्य की पूर्ति के लिए नगर निगम की ओर से संपत्तिकर के बड़े बकायेदारों की सूची बनाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। इन उपभोक्ताओं को नगर निगम की ओर से 15 जनवरी के बाद से नोटिस जारी करके वसूली करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। बढ़े हुए संपत्तिकर के विरोध में न्यायालय में मामला जाने के बाद शहर में संपत्तिकर की वसूली में कमी आई थी। अभी तक निगम पिछले साल की सापेक्ष वसूली में करीब 60 प्रतिशत ही वसूली पूरी कर पाया है। ऐसे में संपत्तिकर की वसूली के लिए नगर निगम की ओर से बड़े बकायेदारों की सूची तैयार की जा रही है। संपत्तिकर जमा करने पर अभी नगर निगम की ओर से 20 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। इसके बाद भी लोग संपत्तिकर जमा करने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। ऐसे में अब निगम की ओर से शहर के पांचों जोन में बड़े और व्यावसायिक बकायेदारों की सूची तैयार की जा रही है। पहले चरण में उनसे वसूली के लिए नगर निगम की ओर से कार्रवाई की जाएगी।

एमएमजी अस्पताल की क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण फिर अटका

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी।

बजट की कमी के चलते एमएमजी अस्पताल में बन रही सघन देखभाल यूनिट का निर्माण कार्य एक बार फिर अटक गया है। परियोजना का लगभग पचहत्तर प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन ठेकेदार को अब तक केवल 17.73 करोड़ रुपये का ही भुगतान किया जा सका है। शेष लगभग 50 प्रतिशत धनराशि का भुगतान न होने के कारण समय पर निर्माण पूरा होने को लेकर संशय बना हुआ है।

एमएमजी अस्पताल परिसर में सौ बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण कार्य 15 मार्च 2024 को शुरू हुआ था। आठ हजार वर्ग मीटर भूमि पर यह भवन 34.97 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है। पूरे क्रिटिकल केयर ब्लॉक प्रोजेक्ट पर कुल 44.50 करोड़ रुपये खर्च होने हैं, जिसमें से 9.50 करोड़ रुपये उपकरण और अन्य आवश्यक सामान की खरीद पर खर्च किए जाने हैं।

इस परियोजना का निर्माण उत्तर प्रदेश जल निगम की कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज की देखरेख में मेसर्स सुनील गर्ग एंड कंपनी द्वारा किया जा रहा है। सात मंजिला इमारत का स्ट्रक्चर पूरी तरह बनकर तैयार हो चुका है।

दिल्ली में उभरता जिगोलो मार्केट: रात 10 से भोर तक चलता है अवैध कारोबार

पॉश इलाकों, क्लबों और होटलों में होती है बुकिंग, कीमतें 3 हजार से 15 हजार तक

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

राजधानी दिल्ली में एक चौंकाने वाला अवैध कारोबार तेजी से पैर पसारता जा रहा है। देर रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक शहर के कई वीवीआईपी और पॉश इलाकों में कथित तौर पर जिगोलो मार्केट सक्रिय हो जाता है, जहां पुरुषों की जिस्मफरोशी का धंधा संचालित होता है। सरोजनी नगर, लाजपत नगर, पालिका मार्केट, कमला नगर, साउथ एक्सटेंशन, कनॉट प्लेस, जनकपुरी डिस्ट्रिक्ट सेंटर और आईएनए जैसे इलाकों के नाम इस गतिविधि से जोड़े जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, इस अवैध बाजार में मुख्य रूप से संभ्रांत परिवारों और पॉश कॉलोनियों की महिलाएं ग्राहक के रूप में आती हैं। देर रात सड़कों पर खड़े युवाओं से सौदे तय किए जाते हैं, जिसके बाद गाड़ियों में बैठकर सौदा आगे बढ़ता है।

क्लब, पब और कॉफी हाउस बने ठिकाने: बताया जा रहा है कि हाई-फाई क्लबों, पब और कॉफी हाउस में भी जिगोलो बुकिंग का नेटवर्क सक्रिय है। कुछ घंटों की बुकिंग 1800 से 3000 रुपये तक बताई जाती है, जबकि पूरी रात के लिए यह रकम 8000 रुपये तक पहुंच जाती है। शारीरिक बनावट के आधार पर यह कीमत 15 हजार रुपये तक भी बताई जा रही है।

कॉरपोरेट पैटर्न पर चलता है नेटवर्क

यह कारोबार कथित तौर पर संगठित नेटवर्क के जरिए संचालित होता है। युवाओं को अपनी कमाई का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा एजेंसियों या नेटवर्क को देना पड़ता है।

कई युवा इसे पेशे के तौर पर अपना रहे हैं, जबकि कुछ अपनी महंगी जीवनशैली की जरूरतों के चलते इसमें फंसते जा रहे हैं। इनमें इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी कर रहे छात्रों की संख्या अधिक बताई जाती है।

होटलों में अलग पहचान

साउथ दिल्ली के कुछ बड़े होटलों में भी इस गतिविधि की मौजूदगी की चर्चा है। यहां पहचान का तरीका अलग बताया जाता है, जहां खास ड्रेस कोड के जरिए ग्राहक और जिगोलो एक-दूसरे को पहचानते हैं।

कानून-व्यवस्था पर सवाल

राजधानी के पॉश इलाकों में खुलेआम चल रहे इस कथित अवैध कारोबार ने कानून-व्यवस्था और पुलिस की सक्रियता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। समाज के लिए यह न सिर्फ नैतिक बल्कि कानूनी चुनौती भी बनता जा रहा है।

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन पवन में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को दी श्रद्धांजलि

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

भारतीय थलसेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को श्रीलंका स्थित इंडियन पीस कीपिंग फोर्स मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने यहां ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए भारतीय सैनिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। दरअसल, भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीलंका के आधिकारिक दौरे पर हैं। यह श्रद्धांजलि-अर्पण कार्यक्रम उनके दो दिवसीय श्रीलंका दौरे के पहले दिन संपन्न हुआ। बता दें कि बीते कई हफ्तों से भारतीय सेना का राहत व बचाव दल भी यहां श्रीलंका में मौजूद है। चक्रवात दित्वाह से बुरी तरह प्रभावित श्रीलंका में भारतीय सेना पीड़ित लोगों को आवश्यक उपचार दे रही है। वहीं दूसरी ओर, भारतीय सेना के इंजीनियर्स श्रीलंका की टूटी हुई सड़कों की मरम्मत कर रहे हैं। भारतीय सेना प्रमुख यहां महत्वपूर्ण सामरिक एवं सैन्य विषयों पर चर्चा करेंगे। श्रीलंका यात्रा के पहले दिन जनरल द्विवेदी ने इंडियन पीसकीपिंग फोर्स मेमोरियल पर भारतीय सेना के उन वीर जवानों को नमन किया, जिन्होंने वर्ष 1987 से 1990 के बीच श्रीलंका में शांति, स्थिरता और क्षेत्रीय सद्भाव बनाए रखने के लिए चलाए गए ऑपरेशन पवन में सर्वोच्च बलिदान दिया।

आम आदमी पार्टी प्रदूषण पर चर्चा से भाग रही है : हरीश खुराना

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

भाजपा विधायक हरीश खुराना ने आम आदमी पार्टी (आप) पर प्रदूषण को लेकर चर्चा से भागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ह्यआपह्व के नेता अगर चाहें तो प्रदूषण पर सार्थक चर्चा कर सकते हैं। लेकिन, अफसोस इस दिशा में किसी भी प्रकार की सकारात्मक कोशिश नहीं की जा रही है। नतीजतन प्रदूषण पर चर्चा नहीं हो पा रही है। उन्होंने बुधवार को आईएएनएस से बातचीत में कहा कि प्रदूषण पर चर्चा प्रस्तावित है। लेकिन, आम आदमी पार्टी के नेताओं के रवैए से यह साफ जाहिर हो रहा है कि वो प्रदूषण पर चर्चा के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं। ऐसे में दिल्ली की राजनीति में उनके लिए हालात अब पूरी तरह से प्रतिकूल हो रहे हैं।

उन्होंने सवाल भी किया कि पिछले इतने सालों तक आम आदमी पार्टी देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सत्ता पर रही। लेकिन, आज तक ऐसा कोई भी कदम नहीं उठाया है, जिससे यहां के लोगों को प्रदूषण मुक्त वातावरण मिल सके। भाजपा विधायक ने कहा कि कल प्रदूषण पर सार्थक चर्चा हो सकती थी। लेकिन, आम आदमी पार्टी के नेताओं ने जानबूझकर व्यवधान डालने की कोशिश की, ताकि इस अहम विषय पर चर्चा नहीं हो सके। अगर आम आदमी पार्टी के नेताओं का रवैया सकारात्मक रहता, तो आज स्थिति ऐसी नहीं रहती, जैसी आज बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेताओं से आग्रह करते हैं कि वो सामने आकर प्रदूषण के मुद्दे पर चर्चा करें। लेकिन, वो ऐसा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें इस बात के बारे में अच्छे से पता है कि अगर वो प्रदूषण पर चर्चा करेंगे, तो उनकी विफलता भी खुलकर उजागर हो जाएगी। जाहिर सी बात है कि इतने सालों तक आम आदमी पार्टी की सत्ता दिल्ली में रही है। ऐसे में इन्होंने प्रदूषण को रोकने के लिए क्या कदम उठाए। जवाब स्पष्ट है, कोई कदम नहीं उठाया। इन लोगों को सिर्फ ओछी राजनीति करने से लेना-देना है। इसके इतर इन लोगों को किसी भी चीज से कोई लेना-देना नहीं है।

अर्जुन राम मेघवाल का राहुल गांधी पर निशाना, बोले- कांग्रेस तुष्टिकरण पर ही जिंदा है

अर्जुन राम मेघवाल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों का राहुल गांधी का रिकॉर्ड देखेंगे तो विदेश की धरती पर वह भारत की आलोचना करते हैं। वह एक कार्यक्रम आयोजित करवाते हैं, जिसमें कुछ बच्चे और प्रोफेसर शामिल होते हैं।

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने विदेश की धरती पर देश की आलोचना करने पर लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की आलोचना की है। उन्होंने जेएनयू में लगाए गए आपत्तिजनक नारे और दिल्ली दंगे के आरोपियों को जमानत न मिलने पर प्रतिक्रिया दी है।

अर्जुन राम मेघवाल ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों का राहुल गांधी का रिकॉर्ड देखेंगे तो विदेश की धरती पर वह भारत की आलोचना करते हैं। वह एक कार्यक्रम आयोजित करवाते हैं, जिसमें कुछ बच्चे और प्रोफेसर शामिल होते हैं। इसमें वह भारत की संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, सीबीआई, ईडी और कभी-कभी लोकतंत्र की भी आलोचना कर देते हैं, जो कि उन्हें शोभा नहीं देती है।

उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि देश की जनता कांग्रेस को लगातार चुनाव हरा रही है, तो उन्हें सोचना चाहिए कि भाजपा की नीतियां ठीक हैं। देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। राहुल गांधी जो भी मुद्दा उठाते हैं, उस पर चर्चा करने से भागते हैं। एसआईआर पर जब चर्चा हो रही थी, तब वह कहां थे? बिहार में उन्होंने एसआईआर का मुद्दा उठाया तो जनता ने उन्हें अच्छा जवाब दिया। इसके बाद भी उन्हें कुछ समझ में नहीं आ रहा है।

कानून मंत्री ने कहा कि जेएनयू में जो नारे लगाए गए हैं, वे आपत्तिजनक हैं। जेएनयू प्रशासन उस पर अपना काम कर रहा है, लेकिन मैं कुछ तथ्य सामने रखता हूं कि कुछ लोग कहते हैं कि उसमें मुस्लिम थे, इसलिए इनको जमानत नहीं मिल रही, लेकिन इसी मामले में इनमें से पांच आरोपियों को जमानत मिली है, और वे भी मुस्लिम थे। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका कुछ फैसले करती है, चाहे सुप्रीम कोर्ट हो या हाईकोर्ट। अगर आपको फैसला सही नहीं लगता है तो लीगल रेमेडी में जाना चाहिए। जो इस तरह के नैरेटिव क्रिएट करने का प्रयास कर रहे हैं, वह लोकतंत्र में उचित नहीं है। इस मामले में जेएनयू प्रशासन काम कर रहा है। बाबा साहब अंबेडकर कहकर गए हैं कि हमें संवैधानिक अधिकारों को लेकर सचेत रहना है और उसके तहत ही हमें काम करना है।

भोपाल रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडर के खिलाफ कार्रवाई, 19 को पकड़ा

» **भोपाल, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

रेल में सफर करने वाले यात्रियों को साफ और स्वच्छ भोजन व खाद्य पदार्थ मिले, यह रेलवे की जिम्मेदारी है। इसी के चलते मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रेलवे स्टेशन पर अवैध वेंडरों के खिलाफ चलाई गई मुहिम में 19 वेंडरों को पकड़ा गया है। भोपाल रेल मंडल की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि रेलवे के स्टेशनों पर यात्रियों को बेहतर खाद्य सामग्री मुहैया कराने के उद्देश्य से नियमित रूप से अवैध वेंडरों के विरुद्ध चेकिंग अभियान चलाकर कार्रवाई की जाती है। इसी कड़ी में सहायक वाणिज्य प्रबंधक, खानपान निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक एवं वाणिज्य पर्यवेक्षक की टीम द्वारा भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या एक, दो एवं तीन पर औचक निरीक्षण कर स्टेशन परिसर में अनाधिकृत रूप से खाद्य सामग्री का विक्रय कर रहे 19 अवैध वेंडरों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

एक देश, एक चुनाव : मजबूत लोकतंत्र और विकास की रफ्तार का रास्ता : जगदीप रेढू

» **हरियाणा, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

जगदीप रेढू मीडिया प्रभारी उकलाना विधानसभा ने बताया कि एक देश, एक चुनाव की परिकल्पना भारत के लोकतंत्र को और अधिक सशक्त, स्थिर तथा विकासोन्मुख बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। बार-बार होने वाले चुनाव न केवल सरकारी संसाधनों और समय की बर्बादी करते हैं, बल्कि विकास कार्यों को भी बार-बार बाधित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत यह विचार देशहित में ऐतिहासिक सुधार साबित होगा।

जगदीप रेढू मीडिया प्रभारी उकलाना विधानसभा ने बताया कि एक साथ चुनाव होने से प्रशासनिक खर्च में भारी कमी आएगी, सुरक्षा बलों पर दबाव घटेगा और सरकारें पूरे कार्यकाल में जनकल्याण एवं विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगी।

इससे नीति निर्माण में निरंतरता आएगी और जनता को स्थायी व मजबूत सरकारें मिलेंगी। जगदीप रेढू मीडिया प्रभारी उकलाना विधानसभा ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी ह्यएक देश, एक चुनावह्व के विचार का समर्थन करते हुए स्पष्ट किया है कि इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और मजबूत होगी तथा विकास की गति कई गुना तेज होगी। मुख्यमंत्री नायब सैनी का नेतृत्व हरियाणा में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित के लिए समर्पित रहा है। उनके कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है। ह्यएक देश, एक चुनावह्व की सोच उनकी दूरदृष्टि और मजबूत नेतृत्व का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य भारत को एक संगठित, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है। यह पहल लोकतंत्र को कमजोर नहीं, बल्कि अधिक सशक्त और प्रभावी बनाने का कार्य करेगी। आज देश की जनता स्थिरता, विकास और पारदर्शिता चाहती है। ह्यएक देश, एक चुनावह्व इसी जनआकांक्षा की पूर्ति करता है। इससे राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण को गति मिलेगी और भारत वैश्विक मंच पर और अधिक मजबूती से उभरेगा।

दिल्ली में मुस्लिम बहुल इलाकों को टारगेट किया जा रहा : कासिम रसूल इलियास

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

दिल्ली के तुर्कमान गेट के पास स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के आसपास चलाए गए तोड़फोड़ अभियान पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) के प्रवक्ता कासिम रसूल इलियास ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि मस्जिद से जुड़े सभी वैध दस्तावेज मौजूद हैं और इस मामले में अदालत द्वारा स्टे ऑर्डर भी जारी किया गया है। इसके बावजूद दिल्ली पुलिस और एमसीडी द्वारा की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई निंदनीय और कानून के खिलाफ है। दिल्ली में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम बहुल इलाकों को निशाना बनाया जा रहा है। पूरी दिल्ली में कई अवैध इमारतें मौजूद हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती, क्योंकि वे मुसलमानों की नहीं हैं।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

दो शातिर बदमाश घायल, अवैध हथियार और चोरी का सामान बरामद

» ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 07 जनवरी।

गौतमबुद्धनगर जिले के थाना सूरजपुर क्षेत्र में मंगलवार, 7 जनवरी 2026 को पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में दो शातिर अपराधी घायल हो गए। यह मुठभेड़ उस समय हुई जब सूरजपुर पुलिस मोजर वियर गोलचक्कर के पास सर्विस रोड पर नियमित चेकिंग अभियान चला रही थी। पुलिस के अनुसार, चेकिंग के दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। जब पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो दोनों बदमाश मोटरसाइकिल मोड़कर रेलवे लाइन के किनारे-किनारे जंगल की ओर भागने लगे। पुलिस को संदेह होने पर तत्काल पीछा किया गया। अपने आप को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों बदमाश गोली लगने से घायल हो गए।

घायल बदमाशों की पहचान सिराजुद्दीन उर्फ गुड्डू पुत्र नसीरुद्दीन और मयंक शर्मा पुत्र अवनीश शर्मा के रूप में हुई है। सिराजुद्दीन मूल रूप से बुलंदशहर का निवासी है, जबकि वर्तमान में दिल्ली के गोकुलपुरी क्षेत्र में रह रहा था। वहीं मयंक शर्मा हापुड़ जिले का निवासी बताया गया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर, दो जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस बरामद किए हैं।

इसके अलावा थाना सूरजपुर क्षेत्र के नवादा मंदिर में दानपात्र तोड़कर चोरी की गई 20,700 रुपये की नकदी, तिलपता गांव में एक घर से चोरी किया गया वन प्लस मोबाइल फोन, 2,165 रुपये नकद, काले रंग का एक बैग, दो आधार कार्ड और ताला तोड़ने के उपकरण भी बरामद हुए हैं। बदमाश जिस स्प्लेंडर मोटरसाइकिल से घूम रहे थे, वह बिना नंबर प्लेट की थी और जांच में चोरी की पाई गई। पुलिस के अनुसार, घायल दोनों अभियुक्तों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और उनके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों बदमाश लंबे समय से चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट जैसे मामलों में सक्रिय थे।

दुष्कर्म के आरोपी की दूसरी जमानत अर्जी खारिज

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। साहिबाबाद थाना क्षेत्र में किशोरी को बहला-फुसलाकर घर से ले जाकर निकाह करने के बाद दुष्कर्म करने के आरोपी हासिम की दूसरी जमानत अर्जी पॉक्सोकोर्ट ने खारिज कर दी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) कोर्ट लाल बाबू यादव ने मंगलवार को यह आदेश पारित किया। अदालत से मिली जानकारी के अनुसार एक व्यक्ति ने साहिबाबाद थाने में दो अप्रैल 2015 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें आरोप लगाया था कि उनकी 16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसला कर घर से भगा ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी की ओर से दायर दूसरी जमानत अर्जी में दावा किया गया कि वह निर्दोष है। पूर्व में अदालत में उपस्थित न हो पाने का कारण दुर्घटना था। बचाव पक्ष ने यह भी कहा कि आरोपी ने बाद में विवाह कर लिया और जानबूझकर फरार नहीं था। वहीं, विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो) ने जमानत अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी लंबे समय तक न्यायालय से अनुपस्थित रहा, जिससे मुकदमे के निस्तारण में देरी हुई। अभियोजन ने यह भी कहा कि आरोपी की अनुपस्थिति के समर्थन में कोई चिकित्सीय प्रमाण नहीं है। अदालत ने पत्रावली और उपलब्ध तथ्यों का अवलोकन करने के बाद कहा कि आरोपी वर्ष 2017 से कई वर्षों तक न्यायालय में उपस्थित नहीं रहा, जिससे न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हुई। मामले की गंभीरता और आरोपी के आचरण को देखते हुए अदालत ने जमानत देने के पर्याप्त आधार नहीं पाए और उसकी दूसरी जमानत अर्जी खारिज कर दी।

दुष्कर्म मामले में दूसरा आरोपी गिरफ्तार

साहिबाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। टीलामोड़ थानाक्षेत्र की रहने वाली एक महिला से किराये पर कमरा दिखाने के बहाने दुष्कर्म करने वाले दूसरे आरोपी तुलसी निकेतन निवासी दानिश चौधरी को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। वारदात 29 अक्तूबर को हुई थी। पुलिस मुख्यारोपी प्रॉपर्टी डीलर शरीफ को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि महिला मूलरूप से दिल्ली की रहने वाली थी। टीलामोड़ क्षेत्र में किराये पर रहने के लिए कमरा ढूंढ रही थी। इस दौरान उसका संपर्क प्रॉपर्टी डीलर से हुआ था। 29 अक्तूबर को आरोपी शरीफ ने उसे कमरा देखने के लिए बुलाया था। इस दौरान उसने अपने दोस्त शरीफ को भी बुलाया और महिला के जूस में नशीला पदार्थ पिलाकर उससे दुष्कर्म किया।

घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के चलते गौतमबुद्धनगर में नर्सरी से कक्षा 8 तक के स्कूल 10 जनवरी तक बंद

आदेश में यह भी कहा गया है कि इस निर्देश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। जिला प्रशासन का कहना है कि सुबह के समय घना कोहरा और अत्यधिक ठंड बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है।

» नोएडा, यूटर्न/ 07 जनवरी।

गौतमबुद्धनगर जिले में लगातार बढ़ती ठंड और घने कोहरे को देखते हुए जिला प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, गौतमबुद्धनगर की ओर से आधिकारिक आदेश जारी किया गया है।

इस आदेश के अनुसार जनपद गौतमबुद्धनगर में संचालित सभी बोर्डों के स्कूलों में नर्सरी से कक्षा 8 तक की कक्षाएं आगामी 10 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगी। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय जिलाधिकारी, गौतमबुद्धनगर द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। आदेश में कहा गया है कि जिले में घना कोहरा, अत्यधिक ठंड और मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए यह अवकाश घोषित किया गया है। यह आदेश सीबीएसई, आईसीएसई, यूपी बोर्ड सहित सभी अन्य बोर्डों से मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी विद्यालय 10 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे।

आदेश में यह भी कहा गया है कि इस निर्देश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। जिला प्रशासन का कहना है कि सुबह के समय घना कोहरा और अत्यधिक ठंड बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह एहतियाती कदम उठाया गया है। प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों को ठंड से बचाने के लिए आवश्यक सावधानियां बरतें। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पंवार ने स्पष्ट किया है कि सभी स्कूल प्रबंधन इस आदेश का पूरी तरह पालन करें। किसी भी प्रकार की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गैस कंपनी का कर्मचारी बनकर 6.94 लाख रुपये ठगी में चार आरोपी गिरफ्तार

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी।

गैस कंपनी का कर्मचारी बनकर 6.94 लाख रुपये की ठगी में चार आरोपियों को साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ टीम ने गिरफ्तार किया है। चारों आरोपी फिलहाल दिल्ली के पटेल नगर इलाके में रहते थे। आरोपियों में मध्यप्रदेश रीवा के नितेश कुमार रावत, बालेंद्र विश्वकर्मा, यूपी आगरा के सलमान खान और आंध्र प्रदेश कडपा के शेख मोहम्मद रफी शामिल हैं।

इनसे पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नितेश कुमार करंट बैंक खाते खुलवाता था और उनसे संबंधित लिंक, ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर व डेबिट कार्ड अपने पास रखता था। खातों में पैसा आने के बाद आरोपी बालेन्द्र विश्वकर्मा व सलमान खान उन खातों से पैसे निकालकर नितेश को लाकर देते थे। वहीं आरोपी शेख मोहम्मद रफी कॉलिंग के लिए सिम कार्ड उपलब्ध करवाता था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपियों से टीम पूछताछ कर रही है। ठगी को लेकर पुलिस को ये शिकायत बल्लभगढ़ के रहने वाले व्यक्ति ने दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि 13 अक्तूबर 2025 को उनके पास एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को अडानी गैस कंपनी का कर्मचारी बताते हुए गैस बिल पेंडिंग होने की बात कही। इसके बाद आरोपी ने पीड़ित को एक लिंक भेजकर 12 रुपये का भुगतान करने को कहा। लिंक के माध्यम से भुगतान करते ही पीड़ित के बैंक खाते से विभिन्न ट्रांजेक्शन में 694204 रुपये कट गए।

ईडी ने फ्लैट निर्माण कंपनी की 51 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि उसने एक रियल एस्टेट और निर्माण कंपनी की चल और अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। जब्त की गई संपत्तियों में एक होटल और एक विला शामिल हैं, जिनकी कीमत 51.57 करोड़ रुपए है। यह कार्रवाई घर खरीदारों से एकत्र किए गए फंड के कथित दुरुपयोग और फ्लैटों की देरी से डिलीवरी के संबंध में की गई है। बयान में कहा गया है कि नई दिल्ली स्थित ईडी मुख्यालय कार्यालय द्वारा ओसियन सेवन बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड (ओएसबीपीएल) से संबंधित संपत्तियों की कुर्की धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। ईडी ने बताया कि जब्त की गई संपत्तियों में 49.79 करोड़ रुपए मूल्य की अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें एक विला, एक होटल और रिसॉर्ट, कार्यालय स्थान और गुरुग्राम, हिमाचल प्रदेश और महाराष्ट्र में स्थित कई भूमि भूखंड शामिल हैं। ईडी ने बताया कि जब्त की गई चल संपत्तियों का मूल्य 1.78 करोड़ रुपए है। ईडी ने किफायती आवास परियोजनाओं में अपनी बचत का निवेश करने वाले बड़ी संख्या में घर खरीदारों से एकत्र की गई धनराशि के व्यवस्थित दुरुपयोग का खुलासा किया है। ईडी ने कहा कि परियोजनाएं अधूरी रहीं, आवंटन मनमाने ढंग से रद्द किए गए, और घर खरीदारों को लंबे समय तक अनिश्चितता और वित्तीय नुकसान का सामना करना पड़ा, जबकि परियोजना विकास के लिए आवंटित धनराशि को दूसरे उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया गया। ईडी की जांच से यह साबित हुआ है कि ओएसबीपीएल के प्रमोटर और प्रमुख निर्णयकर्ता स्वराज सिंह यादव ने पूरी योजना को अंजाम देने में केंद्रीय भूमिका निभाई। निर्माण के लिए घर खरीदारों से एकत्र की गई धनराशि को जानबूझकर निर्धारित परियोजनाओं के लिए उपयोग करने के बजाय दूसरी जगह इस्तेमाल किया गया।

जवाहरलाल नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से इनकार किया था: सुधांशु

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।

भाजपा के राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और सोमनाथ मंदिर को लेकर एक सोशल मीडिया पोस्ट किया है, जिसके बाद से सियासत गर्मा गई है।

सुधांशु त्रिवेदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट कर आरोप लगाया कि आजाद भारत में सोमनाथ मंदिर के प्रति सबसे अधिक नकारात्मक रवैया खुद पंडित नेहरू का था। उन्होंने कहा कि जहां इतिहास में सोमनाथ को विदेशी आक्रमणकारियों ने लूटा, वहीं स्वतंत्र भारत में नेहरू ने इसके पुनर्निर्माण और प्रतीकात्मक महत्व को कमजोर करने की कोशिश की। अपने पहले पोस्ट में सुधांशु त्रिवेदी ने दावा किया कि पंडित नेहरू ने 21 अप्रैल 1951 को पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को एक पत्र लिखा था, जिसमें उन्होंने सोमनाथ मंदिर से जुड़ी ऐतिहासिक कथाओं को पूरी तरह झूठा बताया।

त्रिवेदी के अनुसार, नेहरू ने इस पत्र में सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण से इनकार करते हुए पाकिस्तान को आश्वस्त करने की कोशिश की और भारत की सभ्यतागत स्मृतियों के बचाव के बजाय "बाहरी तुष्टीकरण" को प्राथमिकता दी।

दूसरे पोस्ट में भाजपा सांसद ने कहा कि पंडित नेहरू सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के पक्ष में नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि नेहरू ने कैबिनेट मंत्रियों के साथ-साथ तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद और उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भी पत्र लिखकर न सिर्फ पुनर्निर्माण पर सवाल उठाए, बल्कि उद्घाटन समारोह में शामिल न होने की सलाह दी।

त्रिवेदी के मुताबिक, नेहरू ने सभी मुख्यमंत्रियों को भी पत्र लिखकर कहा था कि सोमनाथ मंदिर के निर्माण से विदेशों में भारत की छवि खराब हो रही है। साथ ही उन्होंने सूचना एवं प्रसारण मंत्री को प्राण-प्रतिष्ठा समारोह की मीडिया कवरेज कम करने का निर्देश दिया था।

तीसरे पोस्ट में सुधांशु त्रिवेदी ने दावा किया कि नेहरू ने भारतीय दूतावासों को सोमनाथ ट्रस्ट को किसी भी तरह की सहायता देने से मना कर दिया था, यहां तक कि पवित्र नदियों से जल मंगाने की मांग भी ठुकरा दी गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि नेहरू ने राष्ट्रपति के सोमनाथ दौरे के "प्रभाव को कम करने" की कोशिश की और विदेश मंत्रालय के माध्यम से मंदिर से जुड़े प्रतीकात्मक आयोजनों को जानबूझकर सीमित किया।

इन सोशल मीडिया पोस्ट के बाद राजनीतिक हलकों में एक बार फिर नेहरू की धर्मनिरपेक्षता, सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण और उस दौर की नीतियों को लेकर बहस तेज हो गई है। कांग्रेस की ओर से अब तक इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी।

नगर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की शाम दो अलग-अलग सड़क हादसों दो लोगों की मौत हो गई। लालकुआं पुल के ऊपर सवार का इंतजार कर रहे व्यक्ति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जबकि दूसरा हादसा एनएच-नौ पर हुआ। बाइक असंतुलित होने से तीन युवक सड़क पर गिरकर चोटिल हो गए। इनमें से युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है।

एसीपी नगर कोतवाली रितेश त्रिपाठी ने बताया कि दिल्ली मेरठ नेशनल हाईवे पर विजयनगर की ओर से लालकुआं जा रहे युवकों की बाइक सवार असंतुलित होकर बीकानेर बिल्डिंग के सामने सड़क पर गिर गई। बाइक पर दो युवक और एक किशोर सवार थे। तीनों को घायलावस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान कार्तिक (20) निवासी ग्राम चित्सोना, थाना बीबीनगर जनपद बुलंदशहर की मौत हो गई। जबकि अन्य दोनों युवक मामूली रूप से चोटिल हुए हैं।

2025 में बीआईएस की बड़ी उपलब्धि: 600+ नए मानक, 9,700 लाइसेंस जारी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

वर्ष 2025 भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के लिए बहुत खास रहा। बीआईएस के महानिदेशक संजय गर्ग के अनुसार, इस साल बीआईएस ने 600 से अधिक नए मानक विकसित किए। इसके साथ ही देश में कुल मानकों की संख्या बढ़कर 23,293 हो गई है। ये मानक आयुष, रोबोट, एआई, पर्यावरण, और नई उभरती तकनीकों जैसे कई क्षेत्रों से जुड़े हैं। संजय गर्ग ने बताया कि उत्पाद प्रमाणन (प्रोडक्ट सर्टिफिकेशन) के क्षेत्र में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है। तेज प्रक्रिया वाली सर्टिफिकेशन स्कीम के तहत आने वाले प्रोडक्ट्स की संख्या

758 से बढ़कर 1,288 हो गई है।

साल 2025 में ही करीब 9,700 नए लाइसेंस जारी किए गए। इनमें से अधिकतर लाइसेंस 30 दिनों के भीतर दिए गए। इसके साथ ही देश में कुल प्रोडक्ट सर्टिफिकेशन लाइसेंसों की संख्या 51,500 से ज्यादा हो गई है।

वर्ष 2025 में पहली बार 124 नए उत्पादों को बीआईएस के अनिवार्य सर्टिफिकेशन के तहत लाया गया, जिससे प्रमाणित उत्पादों की कुल संख्या बढ़कर 1,437 से अधिक हो गई। इनमें नोट गिनने की मशीनें और मशीनों की सुरक्षा से जुड़ी ढलाई मशीनें भी शामिल हैं, जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया गया है।

79वें बीआईएस स्थापना दिवस पर बोलते हुए संजय गर्ग ने बताया कि बीआईएस ने डिजिटल तकनीक का अच्छा उपयोग किया है। इसके लिए मानक ऑनलाइन पोर्टल, आसान लाइसेंस प्रक्रिया, तेज परीक्षण लाइसेंस, समूह आधारित परीक्षण केंद्र और मजबूत जांच सुविधाएं शुरू की गईं। इसके चलते आसान प्रक्रिया वाले 98 प्रतिशत और सामान्य प्रक्रिया वाले 85 प्रतिशत लाइसेंस 30 दिनों में जारी हो रहे हैं।

भारत को वैश्विक वस्त्र केंद्र बनाने की तैयारी, 8 जनवरी से गुवाहाटी में होगा राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों का सम्मेलन

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

देश में वस्त्र क्षेत्र से जुड़े नीतियों, निवेश, पर्यावरण सुरक्षा, निर्यात, इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास और नई तकनीक पर चर्चा करने के उद्देश्य से असम में दो दिवसीय राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों का सम्मेलन 2026 आयोजित किया जाएगा। इसकी घोषणा बुधवार को की गई। यह सम्मेलन केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय और असम सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत 8 जनवरी से गुवाहाटी में होगी। इस सम्मेलन में देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के वस्त्र मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे।

यह सम्मेलन भारत का वस्त्र उद्योगः विकास, विरासत और नवोन्मेषण का संगम विषय के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य भारत को वर्ष 2030 तक वैश्विक वस्त्र निर्माण केंद्र बनाना है। साथ ही इस विचार-विमर्श का लक्ष्य 2030 तक 350 अरब डॉलर के वस्त्र उद्योग को विकसित करना और 100 अरब डॉलर के वस्त्र निर्यात का लक्ष्य अर्जित करना है। इसके साथ ही इसमें निर्यात बढ़ाने, रोजगार पैदा करने और समावेशी विकास पर जोर दिया जाएगा, जिसे विकास भी, विरासत भी कहा गया है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंता बिस्वा सरमा, केंद्रीय कपड़ा राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और अन्य प्रमुख लोग शामिल होंगे।

इस सम्मेलन में इन्फ्रास्ट्रक्चर और निवेश, भारत के वस्त्र निर्यात को बढ़ाना, कच्चा माल और रेशे, तकनीकी वस्त्र और आधुनिक रेशे तथा हथकरघा और हस्तशिल्प को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन्स एंड अपैरल (पीएम मित्रा) पार्क, पर्यावरण संरक्षण, नई तकनीक, नवाचार और वस्त्र उद्योग की पूरी श्रृंखला के विकास पर खास ध्यान दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि इस सम्मेलन में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और अधिकारी अपने अच्छे अनुभव, समस्याएं और नीति सुझाव साझा करेंगे, ताकि देश के हर क्षेत्र में वस्त्र उद्योग को मजबूत किया जा सके। सरकार का कहना है कि यह सम्मेलन केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग को मजबूत करेगा और भारत के वस्त्र क्षेत्र के लिए एक प्रतिस्पर्धी, टिकाऊ और समावेशी रोडमैप तैयार करेगा।

संक्षिप्त खबरें

बैंकों में सेल्स स्टाफ की भर्ती में बढ़ोतरी, व्यवसाय पक्ष पर जोर

नई दिल्ल, यूटर्न/ 07 जनवरी। बैंकों में हाल के महीनों में सेल्स स्टाफ की नियुक्तियों में तेजी आई है। टीम लीज सर्विसेज के आंकड़ों के अनुसार बैंकों ने पिछले छह महीनों में भर्ती में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव सतर्क भर्ती माहौल से सक्रिय भर्ती रणनीति की ओर संकेत करता है। भर्ती का अधिकांश ध्यान आवास, वाहन और स्वर्ण ऋण जैसे सुरक्षित और बढ़ते खंडों पर रहा, जबकि रिकवरी खंड में नियुक्तियां कम रही। टीमलीज सर्विसेज के एक अधिकारी ने बताया कि मझोले निजी बैंक और एनबीएफसी छोटे और मझोले शहरों में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए आक्रामक रूप से फ्रंटलाइन स्टाफ की नियुक्ति कर रहे हैं। इसके विपरीत बड़े निजी बैंक तकनीकी आधारित उत्पादकता और लागत अनुकूलन पर ध्यान केंद्रित कर संतुलित भर्ती कर रहे हैं। केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने दिसंबर में रेपो रेट में 25 आधार अंक की कटौती की।

भारत ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेश वापस लिए, व्यापारिक राहत की उम्मीद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी। भारत ने हाल ही में गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) को वापस लेना शुरू किया है, जिसे उद्योग जगत ने राहत और कुछ क्षेत्रों में तारीफ के साथ स्वागत किया। यह कदम उन नीतियों को पलटने की दिशा में पहला संकेत है जिन्होंने उत्पादन और निर्यात को प्रभावित किया। वस्त्र, इस्पात और रसायन उद्योग में कच्चे माल की आपूर्ति सबसे अधिक बाधित हुई। विशेषज्ञों के अनुसार क्यूसीओ ने उत्पादन लागत बढ़ाई और निर्यातकों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता कमजोर की। विश्लेषकों का कहना है कि क्यूसीओ को वापस लेना केवल हानि नियंत्रण है, इसे सुधार या नीति सफलता नहीं मानना चाहिए। यह घटना भारत की आर्थिक शासन प्रणाली में गहराई से मौजूद समस्या, अंदरूनी हस्तक्षेप और समय पर नुकसान की पहचान में देरी का संकेत देती है। इससे नीतियों को अक्सर बाद में पलटना पड़ता है। क्यूसीओ सिर्फ एक उदाहरण हैं।

नए लेबर कोड से खदान श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा को मिलेगा बढ़ावा : केंद्रीय मंत्री

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

चार नए लेबर कोड का उद्देश्य विकसित भारत को बनाना और खदान श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करता है। यह बयान बुधवार को केंद्रीय श्रम और रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे की ओर से दिया गया।

उन्होंने डायरेक्टरेट जनरल ऑफ माइंस सेफ्टी (डीजीएमएस) से कोड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने और माइन सेफ्टी को बेहतर बनाने के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की अपील की और सुरक्षित और ज्यादा टिकाऊ माइनिंग के लिए डीजीएमएस को मजबूत बनाने में मंत्रालय से पूरे समर्थन का भरोसा दिया। झारखंड के धनबाद में डीजीएमएस के 125वें स्थापना दिवस पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि डीजीएमएस की 125 साल की यात्रा अधिकारियों और खदान मजदूरों की कई पीढ़ियों की समर्पित कोशिशों और बलिदानों को दिखाती है।

करंदलाजे ने कहा कि आज माइनिंग गतिविधियां सीधे तौर पर भारत की ग्रोथ स्टोरी से जुड़ी हुई हैं।

उन्होंने खदान मजदूरों को भी श्रद्धांजलि दी, जिनकी हिम्मत और लगन, जिसमें अकसर जान का गंभीर खतरा होता है, माइनिंग को संभव बनाती है और राष्ट्र निर्माण में मदद करती है।

मंत्री ने दोहराया कि मजदूरों की सुरक्षा मंत्रालय की सबसे पहली प्राथमिकता है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले सुरक्षा के विजन के मुताबिक है। केंद्रीय मंत्री ने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यपहले सुरक्षाह्न के विजन के अनुसार, श्रमिकों की सुरक्षा मंत्रालय की सबसे पहली प्राथमिकता है।

उन्होंने सभी माइनिंग ऑपरेशन्स में एक जैसे सुरक्षा स्टैंडर्ड सुनिश्चित करने में डीजीएमएस की भूमिका पर जोर दिया और सुरक्षा नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए केंद्र-राज्य के साथ मिलकर किए जाने वाले प्रयासों और डीजीएमएस के क्षेत्रीय कार्यालयों की मजबूत भागीदारी की जरूरत पर भी जोर दिया। 1902 में स्थापित डीजीएमएस, भारत में खदानों की सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जिससे खदान श्रमिकों की भलाई और माइनिंग इंडस्ट्री के टिकाऊ विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है।

करंदलाजे ने प्रदर्शनी, पुराने रिकॉर्ड सेक्शन और मॉडल्स गैलरी का भी दौरा किया, जिसमें भारत में खदान सुरक्षा तरीकों की समृद्ध विरासत और विकास को दिखाया गया था। इस मौके पर मंत्री ने नया डीजीएमएस लोगो जारी किया, जिसने पुराने लोगो की जगह ली है। उन्होंने डीजीएमएस थीम सॉन्ग और संगठन की यात्रा और योगदान को दिखाने वाली एक डिजिटल कॉफी टेबल बुक भी जारी की।

एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में तेजी, 5 फीसदी तक होगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी। एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले कुछ महीनों में रोजमर्रा के सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) की बिक्री में 5 प्रतिशत तक वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम मुद्रास्फीति, नकारात्मक खाद्य मुद्रास्फीति और उपभोक्ता विश्वास में बढ़ोतरी से एफएमसीजी क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, लगभग 18 महीनों के सुस्त प्रदर्शन के बाद अगस्त से अक्टूबर की अवधि में एफएमसीजी बिक्री में 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह अप्रैल 2024 के बाद की सबसे मजबूत तिमाही वृद्धि है और पिछली तिमाही व पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कम से कम एक प्रतिशत अंक अधिक है। पिछले साल इसी अवधि में बिक्री 4.2 प्रतिशत बढ़ी थी। रिपोर्ट के अनुसार भारत कोविड से पहले एफएमसीजी उत्पादों के लिए 139 गुना खरीदारी कर रहा था। कोविड महामारी के पहले वर्ष के दौरान यह आंकड़ा घटकर 130 रह गया।

सरकार ने तैयार की पीपीपी परियोजना पाइपलाइन, 852 प्रोजेक्ट शामिल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

आर्थिक मामलों के विभाग ने तीन वर्षों की सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजना पाइपलाइन तैयार की है, जिसकी घोषणा बजट 2025-26 में की गई थी। वित्त मंत्रालय ने बताया कि इस पाइपलाइन में कुल 852 परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी अनुमानित कुल लागत 17 लाख करोड़ रुपये है। इसका उद्देश्य देश में बुनियादी ढांचे के विकास को गति देना है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह पाइपलाइन निवेशकों, डेवलपर्स और अन्य हितधारकों को संभावित पीपीपी परियोजनाओं की शुरुआती दृश्यता प्रदान करती है। इससे बेहतर योजना बनाने और सोच-समझकर निवेश निर्णय लेने में मदद मिलेगी। कुल परियोजनाओं में से 232 परियोजनाएं केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों से संबंधित हैं, जबकि 630 परियोजनाएं राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की हैं। केंद्रीय स्तर पर ऊर्जा, परिवहन व लॉजिस्टिक्स तथा जल व स्वच्छता प्रमुख क्षेत्र हैं। राज्यों की परियोजना पाइपलाइन में सामाजिक और वाणिज्यिक आधारभूत ढांचा भी शामिल किया गया है। केंद्रीय मंत्रालयों में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के पास सबसे अधिक 108 परियोजनाएं हैं, जिनकी लागत 8.77 लाख करोड़ रुपये है। विद्युत मंत्रालय 48 परियोजनाओं और 3.4 लाख करोड़ रुपये की लागत के साथ दूसरे स्थान पर है। राज्यों में आंध्र प्रदेश 270 परियोजनाओं और 1.16 लाख करोड़ रुपये की लागत के साथ सबसे आगे है, जबकि उत्तर प्रदेश में 89 परियोजनाओं की पाइपलाइन है।

वेनेजुएला अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल कच्चा तेल देगा

ट्रंप बोले- बिक्री का पैसा मेरे नियंत्रण में रहेगा

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 से 50 मिलियन बैरल उच्च गुणवत्ता वाला कच्चा तेल सौंपेगी। यह तेल फिलहाल प्रतिबंधों के दायरे में है। ट्रंप ने यह घोषणा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यट्रुथ सोशलह्न पर की। उनके मुताबिक, अमेरिका इस तेल को बाजार भाव पर बेचेगा और बिक्री से मिलने वाली राशि राष्ट्रपति के नियंत्रण में रहेगी, जिसका इस्तेमाल वेनेजुएला और अमेरिका दोनों देशों के लोगों के हित में किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि तेल की सप्लाई तुरंत शुरू की जाएगी। उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को बिना किसी देरी के इस योजना को लागू करने का निर्देश दिया है। योजना के तहत तेल को स्टोरेज जहाजों के जरिए अमेरिका लाया जाएगा और सीधे अमेरिकी बंदरगाहों पर उतारा जाएगा। फिलहाल कच्चे तेल की कीमत करीब 56 डॉलर प्रति बैरल बताई जा रही है। इस हिसाब से 30 से 50 मिलियन बैरल का यह सौदा लगभग 2.8 अरब डॉलर तक का हो सकता है। अमेरिका रोजाना करीब 2 करोड़ बैरल तेल की खपत करता है, ऐसे में वेनेजुएला से मिलने वाला यह तेल लगभग ढाई दिन की जरूरत के बराबर होगा। व्हाइट हाउस ने शुक्रवार को ओवल ऑफिस में प्रमुख तेल कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक बुलाने की बात कही है। इसमें एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं। यह घोषणा उस सैन्य कार्रवाई के कुछ दिन बाद आई है, जिसमें अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया। वेनेजुएला के अधिकारियों के अनुसार, इस ऑपरेशन में 24 सुरक्षा कर्मियों की मौत हुई। अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने ट्रंप के बयानों का विरोध किया है।

संक्षिप्त खबरें

दलितों पर अत्याचार के खिलाफ डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन

फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। दलित समाज से जुड़े हत्या और उत्पीड़न के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के विरोध डीसी कार्यालय पर प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता एवं अखिल भारतीय सर्व समाज डॉ. भीमराव आंबेडकर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र चंदेलिया के नेतृत्व में सोमवार को डीसी कार्यालय फरीदाबाद पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में पलवल जिले के गांव सेलोटी में सतीश वाल्मीकि हत्याकांड और बनचारी में आदित्य दलित उत्पीड़न मामले को प्रमुखता से उठाया गया। जितेंद्र चंदेलिया ने पलवल में जंगलराज होने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोषियों को राजनीतिक संरक्षण मिल रहा है।

टेलीग्राम टास्क के बहाने 7.63 लाख की ठगी में दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। टेलीग्राम टास्क के बहाने 7.63 लाख रुपये की ठगी में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी विकास कुमार (24) व करन दीक्षित (22) दिल्ली के उत्तम नगर निवासी हैं। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी दोस्त हैं और करन दीक्षित ने अपना बैंक खाता आरोपी विकास कुमार को दिया था। इस खाते को विकास ने ठगों को उपलब्ध करवाया था। इसमें ठगी के 2.15 लाख रुपये आए थे। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपियों को 2 दिन के रिमांड पर लेकर साइबर क्राइम थाना सेंट्रल टीम पूछताछ कर रही है। ठगी की शिकायत सेक्टर-87 निवासी महिला ने दी थी। आरोप लगाया गया कि 25 अक्तूबर 2025 को उनके व्हाट्सएप पर वर्क फ्रॉम होम से संबंधित एक मैसेज आया, जिसमें एक लिंक दिया हुआ था। लिंक पर क्लिक करते ही वह एक टेलीग्राम ग्रुप से जुड़ गई, जहां उनको यू-ट्यूब पर मूवी की रेटिंग का काम दिया गया। इसके लिए एक लिंक के माध्यम से उनसे एप डाउनलोड करवा कर खाता खुलवाया गया।

बीमार एंबुलेंस ढो रहीं मरीज, दम तोड़ रहे नियम

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

मरीजों की जान बचाने का माध्यम बनने वाली एंबुलेंस खुद बीमार हैं। संभागीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) में पंजीकृत जिले की 233 एंबुलेंस में से 118 अनफिट हो चुकी हैं। गंभीर यह कि इनमें बिना किसी रोक-टोक के मरीज ढोए जा रहे हैं और संचालकों की मनमानी से नियम-कायदे दम तोड़ रहे हैं। नियमों की अनदेखी सिर्फ निजी संस्थानों और अस्पतालों तक सीमित नहीं है, बल्कि सरकारी महकमे भी इसमें शामिल हैं।

कई एंबुलेंस ऐसी हैं, जिनकी फिटनेस जांच पंजीकरण के बाद दोबारा कराई ही नहीं गई। इनकी फिटनेस अवधि खत्म हुए सालों बीत चुके हैं, फिर भी ये सड़कों पर खुलेआम दौड़ रही हैं। न तो पुलिस और न ही आरटीओ प्रवर्तन स्तर पर इनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की जा रही है।

ऑक्सीजन और प्रशिक्षित स्टाफ तक नहीं

जिले में सरकारी, गैरसरकारी और सामाजिक संस्थाओं ने एंबुलेंस तो पंजीकृत करा लीं, लेकिन मानकों के पालन की ओर ध्यान नहीं दे रहे। कई एंबुलेंस में ऑक्सीजन, प्रशिक्षित स्टाफ, जीवनरक्षक दवाएं और आवश्यक उपकरण तक उपलब्ध नहीं हैं। इससे मरीज और तीमारदारों की जान खतरे में रहती है। पूर्व सभासद आशीष ने बताया कि एंबुलेंस संचालक मनमाना शुल्क वसूलते हैं। न तो कोई तय दर है और न ही मानकों का पालन किया जा रहा है।

अवैध एंबुलेंस का जमावड़ा

सरकारी और गैरसरकारी अस्पतालों के बाहर अवैध एंबुलेंस का जमावड़ा लगा रहता है। शासन स्तर से लगातार सख्ती के दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में सिस्टम पूरी तरह चुप्पी साधे हुए है।

अधिकारी बोले, चलाया जाएगा अभियान

आरटीओ प्रवर्तन अधिकारी डॉ. सियाराम वर्मा का कहना है कि फिटनेस समाप्त होने से पहले वाहन स्वामी को मैसेज भेजा जाता है। इसको लेकर जल्द अभियान चलाया जाएगा। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर एंबुलेंस जब्त करने और जुर्माना वसूलने की कार्रवाई की जाएगी।

यह है स्थिति : -सीएमओ के नाम पंजीकृत एक एंबुलेंस की फिटनेस दो सितंबर, दूसरी की 22 सितंबर और तीसरी की 27 अगस्त 2025 को समाप्त हो चुकी है। सीबीआई के नाम पंजीकृत एंबुलेंस की फिटनेस 24 मार्च 2016 में खत्म हो गई थी। मोदीनगर स्थित जीवन हॉस्पिटल एंड स्टोन सेंटर के नाम से पंजीकृत एंबुलेंस की फिटनेस 16 अक्तूबर 2025 को समाप्त हो चुकी है। मोदी शुगर मिल के नाम दर्ज एंबुलेंस की फिटनेस पांच सितंबर 2025 को खत्म हो चुकी है। यह स्थिति तब है, जब यूके मोदी ग्रुप के स्कूल की बस की फिटनेस न होने के कारण एक बच्चे की जान जा चुकी है। हादसे के बाद भी ग्रुप प्रबंधन ने कोई सबक नहीं लिया। यशोदा जैसे बड़े अस्पताल के नाम पंजीकृत एक एंबुलेंस की फिटनेस 29 जून 2021 और दूसरी की 20 जुलाई 2025 को समाप्त हो चुकी है। एक एंबुलेंस कंडम हो चुकी है। उसका परिचालन बंद है। अन्य एंबुलेंस की मरम्मत कराने के बाद फिटनेस जांच कराई गई है। पोर्टल से नाम हटवाने के लिए आरटीओ में संपर्क किया गया है। आशीष कुमार अग्रवाल, प्रवक्ता, यशोदा अस्पताल एंड रिसर्च सेंटर 35 वाहन कंडम घोषित हो चुके हैं। उनकी नीलामी की प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही खरीदार आएंगे, उनको बेचा जाएगा।

धक्कामुक्की से उपनिरीक्षक घायल, 25 हजारी को पकड़ा

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। चेन स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम देने वाले बदमाश ने कविनगर थाना के उपनिरीक्षक को धक्का देकर भागने का प्रयास किया। टीम ने बदमाश की घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि 30 जून और 26 जुलाई 2025 को बाइक सवार दो बदमाशों ने अलग-अलग दो महिलाओं से सोने की चेन और कुंडल लूट की वारदात को अंजाम दिया था। एक बदमाश की पहचान हिमांशु निवासी गांव उदरा थाना तांडी जनपद हरदोई हाल निवासी दौलतपुरा सिहानी गेट के रूप में हुई है। दो दिन पूर्व उनकी लोकेशन दौलतपुरा अपने घर पर मिली।

अवैध निर्माण पर चला जीडीए का बुलडोजर

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। अवैध निर्माण के खिलाफ मंगलवार को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की तीन टीमों ने ध्वस्तीकरण अभियान चलाया। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि डासना मुरादनगर मार्ग पर ग्राम मोहम्मदपुर धेंदा में खसरा संख्या-274 में लगभग 15000 वर्ग मीटर, ग्राम-सरना मुरादनग में लगभग 3600 वर्ग मीटर, ग्राम असालतनगर हनुमान मंदिर के पीछे लगभग 7000 वर्ग मीटर में ईंट से चिनाई कर प्लॉटिंग की जा रही थी। जीडीए अधिकारियों का कहना है कि बिना मानचित्र स्वीकृति के निर्माण कराया जा रहा था। वहीं जोन तीन में एनडीआरएफ रोड पर पेट्रोल पंप के सामने, इन्दिरा एन्क्लेव के पास निर्माण किए जाने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इस दौरान स्थानीय विकासकताओं- निर्माणकताओं में अफरातफरी का माहौल रहा।

राशन डिपो के औचक निरीक्षण में 3249 किलो गेहूं मिला अधिक

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

जवाहर कॉलोनी स्थित राशन डिपो पर मुख्यमंत्री उड़नदस्ता और खाद्य आपूर्ति विभाग की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान डिपो पर 3249 किलो गेहूं स्टॉक से अधिक मिला। नियम के तहत ये राशन कार्ड धारकों में बांटा जाना था जो नहीं बांटा गया। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक संदीप ने शिकायत देकर राशन डिपो धारक के खिलाफ सारन थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता की टीम को सोमवार शाम सूचना मिली कि एनआईटी इलाके के एक राशन डिपो पर धांधली चल रही है। डिपो धारक असल कार्डधारकों को सरकारी राशन वितरित करने की बजाय कालाबाजारी की नीयत से ऑनलाइन स्टॉक से अधिक स्टॉक किये हुए है। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता के डीएसपी साकिर हुसैन के नेतृत्व में दस्ते व खाद्य आपूर्ति विभाग के निरीक्षक संदीप की संयुक्त टीम तैयार की गई। टीम ने जवाहर कॉलोनी में शिवराज के राशन डिपो का औचक निरीक्षण किया। यहां पर महेश नोमिनी हाजिर मिला। महेश ने टीम को स्टॉक चेक कराया। इस डिपो धारक को विभाग से एक मशीन व 2 अन्य राशन डिपो धारक अजय व वीरेंद्र की मशीन की सप्लाई अटैच की हुई मिली।

अवैध कॉलोनी पर चला जिला प्रशासन का बुलडोजर

फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। जिला प्रशासन ने मंगलवार को गांव पलवली के राजस्व क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर सख्त कार्रवाई की। करीब तीन एकड़ क्षेत्र में चलाए गए इस ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान बिना अनुमति बनाए गए कई निर्माणों को गिरा दिया गया। कार्रवाई के दौरान आठ पक्के निर्माण ध्वस्त किए गए, जिनमें एक डीलर कार्यालय परिसर भी शामिल है। इसके अलावा तीन अधूरे ढांचे, 45 डीपीसी और चार बाउंड्री वॉल को भी तोड़ा गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से अवैध निर्माण करने वालों में अफरा-तफरी मच गई।

डिस्ट्रिक्ट टाउन प्लानर यजन चौधरी ने बताया कि संबंधित क्षेत्र में बिना किसी वैधानिक मंजूरी के कॉलोनी विकसित की जा रही थी। विभाग की ओर से पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके थे, लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रखा गया जिसके चलते यह कदम उठाना पड़ा।

ध्वस्तीकरण के दौरान किसी भी तरह की कानून-व्यवस्था की समस्या न हो इसके लिए पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रशासन ने साफ किया कि जिले में अवैध कॉलोनियों और नियमों के खिलाफ हो रहे निर्माण को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रशासन ने आम लोगों से अपील की है कि जमीन या मकान खरीदने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति की पूरी जांच कर लें, ताकि भविष्य में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। कार्रवाई की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी रिकॉर्ड में रखी गई है।

जालसाजों ने 5 लोगों से ठग लिए 6 .06 लाख रुपये

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

साइबर ठगों ने जिले के अलग-अलग इलाके में रहने वाले 5 लोगों से 6.06 लाख रुपये ठग लिए। शिकायत देने वालों में तीन महिलाएं भी शामिल हैं। ठगों ने पानी बिल बकाया बताकर, गैस बिल बकाया बताकर, प्रीपेड टास्क में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर आदि बहानों से ये ठगी की। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना एनआईटी, सेंट्रल व बल्लभगढ़ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामलों में जांच शुरू की है।

पहले मामले में साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस को शिकायत एनआईटी इलाके की रहने वाली महिला ने दी है। महिला का आरोप है कि 22 अक्तूबर को इनके बैंक खाते से इनकी जानकारी के बगैर ही अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 2.35 लाख रुपये ठग लिए गए। दूसरे मामले में साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस को शिकायत संदीप कुमार ने दी है। इनका कहना है कि 17 दिसंबर को ठग ने पानी बिल बकाया का मैसेज भेजा। फिर बिल भरवाने के नाम पर क्रेडिट कार्ड की जानकारी हासिल कर 117374 रुपये ठग लिए। तीसरे मामले में साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस को शिकायत राजेश कुमार ने दी है। इनका आरोप है कि 20 दिसंबर को ठग ने गैस का बकाया बिल होने पर कनेक्शन काटने का मैसेज भेजा। बाद में ठग ने बिल भरवाने के नाम पर 158996 रुपये ठग लिए।

चौथे मामले में साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस को शिकायत 27 साल की युवती ने दी है। युवती का आरोप है कि 3 व 4 जनवरी को टेलीग्राम पर टास्क पूरे कर कमाई का झांसा देकर ठगी कर ली गई। ठग ने प्रीपेड टास्क में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 70 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। बाद में रिफंड नहीं दिया गया। पांचवें मामले में साइबर क्राइम थाना बल्लभगढ़ पुलिस को शिकायत बल्लभगढ़ इलाके की रहने वाली महिला ने दी है।

फर्म संचालक के 12.68 लाख हड़पने का आरोप

गाजियाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी। मसूरी क्षेत्र के इंद्रगढ़ी में रहने वाले फुरकान ने गौतमबुद्धनगर स्थित पल्स सोलर सिस्टम कंपनी के मालिकों पर सिहानी गेट थाने में धोखाधड़ी का आरोप लगाकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि उनकी फर्म से इंजीनियरिंग व मैकेनिकल उपकरणों की आपूर्ति करके बकाया 12 लाख 68 हजार 991 रुपये का भुगतान न करके उनके साथ विश्वासघात किया गया है। एसीपी नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया कि तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ईएसआईसी अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल जारी

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 07 जनवरी।**

ईएसआईसी अस्पताल में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल मंगलवार को भी जारी रही। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा बदसलूकी के आरोपों के बाद डॉक्टरों में गहरा रोष बना हुआ है। रेजिडेंट डॉक्टरों का आरोप है कि प्रशासन की ओर से उनके साथ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया और उन्हें चोर तक कहकर संबोधित किया गया, जिसे वे किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे।

मंगलवार को रेजिडेंट डॉक्टरों की उप चिकित्सा अधीक्षक के साथ बैठक भी हुई, लेकिन लंबी बातचीत के बावजूद किसी तरह का समाधान नहीं निकल सका। डॉक्टरों का कहना है कि बैठक के दौरान प्रशासन का रवैया सकारात्मक नहीं रहा और उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना गया। ऐसे में डॉक्टरों का असंतोष और बढ़ गया है। रेजिडेंट डॉक्टरों ने साफ कहा है कि जब तक उनके सम्मान से जुड़े मामले में स्पष्ट कार्रवाई और लिखित आश्वासन नहीं मिलता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उनका कहना है कि डीन से सीधी बातचीत के बाद ही किसी स्थायी समाधान की संभावना बन सकती है।

इस बीच हड़ताल का असर अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी साफ नजर आ रहा है। ओपीडी और अन्य सेवाएं प्रभावित होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर ने बताया कि अस्पताल में काम करने वाले रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए खुद के इलाज की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर हमेशा संक्रमण के खतरे के बीच काम करते हैं, इसके बावजूद उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों के इलाज के लिए कोई सुविधा नहीं मिलती। इसी को लेकर डॉक्टरों ने अपने लिए चिकित्सा कार्ड जारी करने की मांग की है, ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें और उनके परिजनों को इलाज मिल सके। डॉक्टरों का कहना है कि वे मरीजों की सेवा के लिए हमेशा तैयार हैं, लेकिन सम्मान और बुनियादी सुविधाओं के बिना काम करना संभव नहीं है। जब तक उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

ब्रांड नेम के पीछे की सोच का खुलासा किया रणबीर कपूर ने

अपने लाइफस्टाइल ब्रांड एआरकेएस के नाम को लेकर चल रही सभी अफवाहों पर बॉलीवुड सुपरस्टार रणबीर कपूर ने विराम लगा दिया है। उन्होंने ब्रांड के ऑफिशियल इंस्टाग्राम और यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वे फैक्ट्री का टूर करते हुए एआरकेएस के बारे में खुलकर बात करते नजर आए। रणबीर कपूर के ब्रांड एआरकेएस के ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल और यूट्यूब चैनल पर हाल ही में एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें उन्होंने दर्शकों के सवालों के जवाब देते हुए ब्रांड के नाम के पीछे की सोच का खुलासा किया। वीडियो में रणबीर ने यह भी बताया कि यह मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पहले उनके ब्रदर-इन-लॉ (जीजा) भारत साहनी की थी। वीडियो में रणबीर कपूर बताते हैं कि ब्रांड की शुरूआत सिर्फ स्नीकर्स से हुई थी। उन्होंने कहा, ह्यहम शुरू में इसे रणबीर कपूर शू के तौर पर लॉन्च करना चाहते थे। कई नाम सोचे गए जैसे रणबीर कपूर स्टूडियो फिर मैंने सोचा कि नाम का कोई खास मतलब होना जरूरी नहीं। एआरकेएस नाम सुनते ही और लोगो (एलओजीओ) देखते ही सब कुछ क्लिक हो गया। यह बस फिट बैठ गया।

रणबीर ने आगे कहा कि नाम में कई अलग-अलग मतलब हैं, लेकिन कोई एक खास वजह नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि ब्रांड की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट पहले उनके जीजा भरत साहनी की थी, जो अब एआरकेएस का हिस्सा बन चुके है। 42 साल के रणबीर ने अपनी पर्सनल ग्रोथ पर भी बात की। उन्होंने कहा, ह्यजैसे-जैसे उम्र बढ़ रही है, मेरी मटेरियल चीजों की चाहत कम हो रही है। लेकिन एक अच्छी टी-शर्ट या डेनिम जैकेट हर वक्त पहनने लायक होती है। यहीं एआरकेएस आता है। हमारा प्लान है कि ब्रांड को एथलीजर, अंडरवियर और फर्नीचर जैसे क्षेत्रों में विस्तार दें। एआरकेएस के तहत हम एक सेंसिबिलिटी, एक एस्थेटिक और पूरा लाइफस्टाइल बेचना चाहते हैं। बता दें कि पूर्व में रणबीर कपूर के फैंस और सोशल मीडिया यूजर्स लगातार यह कयास लगा रहे थे कि ब्रांड का नाम उनकी पत्नी आलिया भट्ट और बेटी राहा कपूर से जुड़ा है, लेकिन अब इन अफवाहों पर विराम लग गया है।

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं

समाज में सकारात्मकता फैलाने का भी प्लेटफॉर्म : अदा शर्मा

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं।

न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्ट्स का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं।

अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं।

उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं। अदा ने बताया, ह्लआज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हर कोई तनाव में है। अगर एक वीडियो या पोस्ट से किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाए या किसी का दिन अच्छा बन जाए, तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

ऋषभ और अय्यर विजय हजार ट्रॉफी के अंतिम लीग मैच में भी खेलेंगे

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए देर से टीम से जुड़ेंगे

नई दिल्ली, यूटर्न/ 07 जनवरी। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर 08 जनवरी को होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के मैचों में भाग लेंगे। इस कारण ये दोनो ही न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के लिए देर से जुड़ेंगे। ऋषभ गुरुवार 8 जनवरी को हरियाणा से होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के अंतिम लीग मैच में दिल्ली की कप्तानी करेंगे। इस कारण वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए देर से जुड़ेंगे। अलूर में बीती दिवस हुए मैच में दिल्ली ने रेलवे को एलीट ग्रुप डी के मैच में छह विकेट से हराकर पहले ही क्वार्टर फाइनल में अपने जगह पक्की कर ली है। 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज के लिए खिलाड़ी मुंगलवार को ही बड़ौदा में टीम से जुड़ गये। वहीं ऋषभ विजय हजारे ट्रॉफी का अंतिम लीग मैच खेलने के बाद ही टीम से जुड़ेंगे। वहीं विराट कोहली भी दिल्ली की टीम में शामिल थे पर उन्होंने दो मैच ही खेले। वहीं चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से बाहर चल रहे ऋषभ इसलिए विजय हजारे ट्रॉफी खेल रहे हैं ताकि न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी लय हासिल कर लें। उन्होंने तब तक इस टूनार्मेंट के छह मैच में 42.4 की औसत और 112.76 की स्ट्राइक रेट से 212 रन बनाए हैं। दिल्ली की टीम अभी ग्रुप डी में पांच जीत के साथ 20 अंकों के साथ शीर्ष पर है। दिल्ली ने अब तक छह मैच खेले हैं और उसे केवल एक हार ओडिशा के खिलाफ मिली थी। उनके अलावा बल्लेबाज श्रेयस भी देर से टीम से जुड़ेंगे।

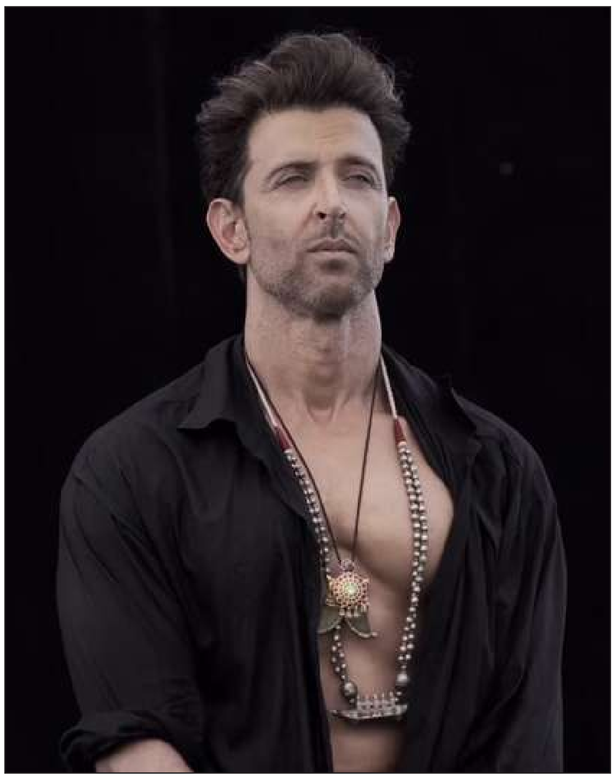

मूड रखो अच्छा, फ्रिक को कहो अलविदा, ऋतिक रोशन ने फिटनेस से मचाया धमाल

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन हमेशा से अपनी अदाकारी और फिटनेस को लेकर चर्चा में रहते हैं। वह सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़े रहते हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक बीटीएस वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह अपने एब्स को फ्लॉन्ट करते हुए दिख रहे हैं।

ऋतिक ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, मूड रखो अच्छा, टेंशन को कहो अलविदा। इसके अलावा, वीडियो के बैकग्राउंड में उन्होंने 1972 की फिल्म ह्यजवानी दीवानीह्न का लोकप्रिय गाना सामने ये कौन आया का इस्तेमाल किया। यह गाना उस दौर का आइकॉनिक सॉन्ग है। ऋतिक रोशन इन दिनों ओटीटी डेब्यू को लेकर काफी चचाओं में हैं। वह प्रोड्यूसर के तौर पर एक थ्रिलर प्रोजेक्ट स्टॉर्म लेकर आ रहे हैं। इस शो का निर्माण प्राइम वीडियो के सहयोग से हो रहा है। फैंस इस नई थ्रिलर को लेकर उत्साहित हैं। इस सीरीज को अजितपाल सिंह डायरेक्ट कर रहे हैं। अजितपाल सिंह पहले वेब सीरीज टब्बर और फायर इन द माउंटेंस जैसी फिल्मों को निर्देशित कर चुके हैं। इसके अलावा, ऋतिक जल्द ही कृष 4 में डायरेक्शन और एक्टिंग दोनों करेंगे। इस फ्रेंचाइजी की सबसे पहली फिल्म साल 2003 में ह्यकोई... मिल गयाह्न आई थी। इसमें ऋतिक के साथ प्रीति जिंटा और रेखा समेत कई सितारे नजर आए। इसका निर्देशन राकेश रोशन ने किया था। फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली।

भारत दौरे पर अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं फिलिप्स

» ऑकलैंड, यूटर्न/ 07 जनवरी।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स का कहना है कि उनका लक्ष्य भारत दौरे के साथ ही टी20 विश्वकप में भी बेहतर प्रदर्शन करना है। फिलिप्स आजकल सुपर स्मैश टी20 लीग में खेल रहे हैं। इसमें वह बाएं हाथ से खेलते हुए दिखे। इस क्रिकेटर का कहना है कि वह बांए हाथ से खेलने के विकल्प का प्रयोगा बांए हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ कर सकते हैं। उनका कहना है कि भारतीय टीम के पास अक्षर पटेल जैसे लेफ्ट-आर्म स्पिनर हैं, जिनके खिलाफ बाएं हाथ से बल्लेबाजी करना फायदेमंद रहेगा।

फिलिप्स ने हालांकि कहा कि बांए हाथ से बल्लेबाजी का प्रयोग व पूरी तरह विचार करने के बाद ही करेंगे। इस बल्लेबाज ने कहा इसका प्रयोग मैं तब करूंगा, जब खोने के लिए कुछ न हो। आखिरी ओवरों में, जब जोखिम लेने के अलावा कोई विकल्प न हो।

फिलिप्स के निशाने पर कई बड़े

फिलिप्स ने हालांकि व हाथ से बल्लेबाजी का तरह विचार करने के ब

रिकॉर्ड भी हैं।

उन्होंने अपने पिछले टी20 मुकाबले में ओटागो की ओर से नाबाद 90 रन बनाए। अब उन्हें टी 20 में 2000 रन पूरे करने के लिए केवल 71 रनों की और जरूरत है। ऐसा करते ही वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज बन जाएंगे। अब तक मार्टिन गप्टिल, केन विलियमसन और ब्रेंडन मैकुलम ही 2000 रन बनाने वाले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हैं। ओटागो की ओर से खेलते हुए उन्होंने लेफ्ट-आर्म स्पिनर जेडन लेनॉक्स के खिलाफ न सिर्फ छक्का जड़ा, बल्कि शानदार कवर ड्राइव भी खेला। यह प्रयोग किसी एक गेंद तक सीमित नहीं था, बल्कि पूरी रणनीति का हिस्सा था।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

अभिनेता विल स्मिथ यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों में फंसे

लॉस एंजेलिस, यूटर्न/ 07 जनवरी। वर्तमान में हॉलीवुड के मशहूर अभिनेता विल स्मिथ यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों में फंस गए हैं। अभिनेता पर यह केस ब्रायन किंग जोसेफ नाम के वायलिनिस्ट ने दर्ज कराया है। ब्रायन का दावा है कि 2025 के उनके म्यूजिकल टूर बेस्ड ऑन ए ट्रू स्टोरी के दौरान विल ने उनके साथ अनुचित व्यवहार किया। ब्रायन ने बताया कि संबंध की शुरूआत नवंबर 2024 में हुई थी, जब उन्हें विल ने सैन डिएगो के एक शो में परफॉर्म करने का मौका दिया। इसके बाद उन्हें 2025 के बड़े टूर के लिए साइन किया गया। शुरूआत में सब सामान्य था, लेकिन धीरे-धीरे विल का व्यवहार बदल गया। ब्रायन का कहना है कि विल ने उन्हें कहा कि उनके बीच एक खास कनेक्शन है, जो किसी और के साथ नहीं है। ब्रायन ने आगे बताया कि मार्च 2025 में लास वेगास टूर के दौरान उनका बैग और कमरे की चाबियां गायब रहीं।

दक्षिण-पश्चिम यमन में सऊदी हवाई हमलों में 20 लोग मारे गये

काहिरा, यूटर्न/ 07 जनवरी। दक्षिण-पश्चिम यमन के अद-दाली प्रांत पर शासन कर रहे दक्षिणी परिवर्ती परिषद (अल-मजलिस अल-इंतकाली अल-जुनूबी) की सेनाओं के खिलाफ सऊदी नेतृत्व वाले अरब गठबंधन के हमलों में 20 लोग मारे गये हैं। प्रांतीय सरकार के एक सूत्र ने बुधवार को यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा, गठबंधन के विमानों ने अद-दाली प्रांत के जुबैद, अल-जंद और जहाफ इलाकों में सैन्य उपकरणों पर लगभग 12 हवाई हमले किये। ये उपकरण अस्थायी राजधानी अदन से तस्करी करके लाये गये हथियारों और गोला-बारूद से भरे ट्रकों में ले जाये जा रहे थे। हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों सहित 20 लोग मारे गये। यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करने वाले अरब गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मलिकी ने एक्स पर कहा कि गठबंधन बलों ने यमनी सरकार के साथ मिलकर बुधवार सुबह अद-दाली प्रांत में परिषद के ठिकानों पर सीमित हमले किए, ताकि उन सैन्य कार्रवाइयों को रोका जा सके जो संघर्ष को बढ़ा सकती थीं। अल-मलिकी ने कहा कि परिषद के नेता ऐदारस अल-जुबैदी ने आधी रात के आसपास बड़ी संख्या में सेना जुटाई थी।

दित्वाह से तबाही के बाद श्रीलंका में भारतीय सेना का ऑपरेशन सागर बंधु अब भी जारी, लोगों ने जताया आभार

» कोलंबो, यूटर्न/ 07 जनवरी।

श्रीलंका में तूफान दित्वाह ने भारी तबाही मचाई। दित्वाह से हुई तबाही से उबरने और लोगों के रेस्क्यू के लिए शुरूआत से ही भारत सरकार ऑपरेशन सागर बंधु के तहत मदद कर रही है। ऑपरेशन सागर बंधु के तहत भारतीय सेना की इंजीनियर टास्क फोर्स बी-492 को ठीक करने के लिए लगातार काम कर रही है।

यह बी-492 मध्य प्रांत के कैंडी को श्रीलंका के उवा प्रांत के बादुल्ला से जोड़ता है। दित्वाह की वजह से यह बुरी तरह प्रभावित हुआ था। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें एक स्कूल की छात्रा ने कहा, आपने हमारे लिए जो सर्विस की है, उसके लिए हम सच में आपके शुक्रगुजार हैं, खासकर भारत से इतनी दूर आने के लिए। वीडियो में छात्रा ने आगे कहा, खराब पुल की वजह से हमारे पास इस तरफ आने का कोई रास्ता नहीं था। हम आप सभी के बहुत शुक्रगुजार हैं कि आप आए और हमारे लिए यह काम किया। आपने जो मदद की, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। सेना ने एक्स पर वीडियो और इमेज शेयर करते हुए कहा, भारतीय सेना की इंजीनियर टास्क फोर्स, मध्य प्रांत में कैंडी को श्रीलंका के उवा प्रांत में बादुल्ला से जोड़ने वाले बी-492 पर जरूरी रोड कनेक्टिविटी को लगातार ठीक कर रही है, जो तूफान दित्वाह से बुरी तरह प्रभावित हुआ था।

इसमें आगे कहा गया, 15 किलोमीटर और 21 किलोमीटर पर बेली ब्रिज के तेजी से निर्माण के जरिए टास्क फोर्स ने समुदाय को फिर से जोड़ा है, ट्रैवल टाइम कम किया है और श्रीलंका के लोगों के साथ रिश्ते मजबूत किए हैं। पिछले साल नवंबर 2025 में भारत ने खतरनाक तूफान दित्वाह के तुरंत बाद फर्स्ट रेस्पॉन्डर के तौर पर ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया था, ताकि श्रीलंका को तुरंत मानवीय सहायता और आपदा राहत/ह्यूमनिटेरियन असिस्टेंस और डिजास्टर रिलीफ (एचएडीआर) सपोर्ट दिया जा सके।

दित्वाह की वजह से पूरे श्रीलंका में बड़े पैमाने पर बाढ़, लैंडस्लाइड और इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान हुआ, जिससे देश के डिजास्टर-रिस्पॉन्स सिस्टम पर असर पड़ा। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस विक्रांत और आईएनएस उदयगिरी इमरजेंसी में रिस्पॉन्ड करने वाले पहले विदेशी जहाजों में से थे। जब तूफान आया, तब दोनों वॉरशिप श्रीलंकाई नेवी की 75वीं एनिवर्सरी के मौके पर आयोजित किए गए इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू 2025 के लिए पहले से ही श्रीलंका में मौजूद थे।

ग्रीनलैंड पर स्थानीय लोग और डेनमार्क ही फैसले ले सकता है, कोई और नहीं

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 07 जनवरी।

वेनेजुएला पर अचानक सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद अब अमेरिका ने अपना ध्यान खनिज संपदा से भरपूर ग्रीनलैंड की ओर केंद्रित कर दिया है। इस पर यूरोपीय प्रतिक्रिया अत्यंत संगठित और सख्त रही है। फ्रांस, जर्मनी, इटली, पोलैंड, स्पेन और ब्रिटेन सहित आठ प्रमुख यूरोपीय देशों के नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी कर डेनमार्क और ग्रीनलैंड के प्रति अपना अटूट समर्थन व्यक्त किया है। इन नेताओं ने स्पष्ट किया कि ग्रीनलैंड के भविष्य का फैसला केवल वहां के लोग और डेनमार्क ही कर सकते हैं। व्यक्तिगत बयानों में यूरोपीय नेताओं का लहजा और भी कड़ा रहा।

फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप के पास भूकंप के तेज झटके, 6.7 रही तीव्रता

मनीला, यूटर्न/ 07 जनवरी। फिलीपींस के दक्षिणी हिस्से में स्थित मिंडानाओ द्वीप के तट के पास बुधवार सुबह तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी (पीएचआईवीओएलसीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई। यह भूकंप सुबह 11:02 बजे स्थानीय समय पर आया और इसका केंद्र दावाओ ओरिएंटल प्रांत के तटीय कस्बे मैनाय से लगभग 47 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित था। भूकंप की गहराई 42 किलोमीटर बताई गई है।

भूकंप के तेज झटके पूरे मिंडानाओ द्वीप में महसूस किए गए, जिससे लोगों में कुछ समय के लिए दहशत फैल गई। कई लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह रही कि भूकंप के तुरंत बाद किसी भी तरह के बड़े नुकसान या जान-माल के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली। भूकंप के केंद्र के आसपास तैनात पुलिस और आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि अब तक किसी तरह की चोट या गंभीर क्षति की सूचना नहीं है। पीएचआईवीओएलसीएस ने बताया कि इस भूकंप के बाद झटके (आफ्टरशॉक्स) आने की संभावना बनी हुई है। खासकर भूकंप के केंद्र के नजदीकी इलाकों में नुकसान की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। इससे पहले 22 दिसंबर 2025 को भी फिलीपींस के पास समुद्री क्षेत्र में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया था।

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में हजारों घरों में छाया अंधेरा, लगातार चार दिनों से बिजली गायब

» बर्लिन, यूटर्न/ 07 जनवरी।

जर्मनी की राजधानी बर्लिन में हजारों घरों में बिजली गुल हो गई है। ग्रिड पर हमले के बाद दक्षिण-पश्चिम बर्लिन में हजारों घरों के साथ-साथ सुपरमार्केट, दुकानें, रेस्टोरेंट और दूसरे बिजनेस क्षेत्रों में बिजली ना होने की वजह से अंधेरा छा गया। हालांकि, बिजली मरम्मत का काम जारी है, लेकिन कई इलाकों में तमाम घर बिना बिजली के ही रहे।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जर्मन राजधानी के कुछ हिस्से लगातार चौथे दिन अंधेरे में रहे। स्ट्रोमनेट्ज बर्लिन ने कहा कि स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:45 बजे तक, निकोलासी, जेहलेंडोर्फ, वानसी और लिक्टरफेल्ड के इलाकों में करीब

24,700 घर और 1,120 कारोबार अभी भी प्रभावित थे। ऑपरेटरों ने अनुमान लगाया था कि गुरुवार दोपहर तक पूरी ग्रिड को पूरी तरह से ठीक करके बिजली सेवा फिर से शुरू कर दी जाएगी। लेकिन ग्रिड को ठीक करने में काफी तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार सुबह एक पावर स्टेशन तक जाने वाले केबल में आग लगने के बाद करीब 45,000 घरों और 2,200 से ज्यादा कारोबारियों की बिजली चली गई। स्ट्रोमनेट्ज बर्लिन ने कहा कि प्रभावित जिलों के पांच अस्पतालों में सभी सेवाएं रविवार सुबह से फिर से शुरू कर दी गई हैं।

ईरान में आर्थिक संकट को लेकर बवाल; सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 27 की मौत

» तेहरान, यूटर्न/ 07 जनवरी।

हाल के दिनों में ईरान में हालात काफी बिगड़ गए हैं। आर्थिक हालात खराब होने और कई संकट एक साथ होने के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पों में अब तक कम से कम 27 लोगों की मौत की खबर है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में मंगलवार रात ईरान के इलम प्रांत के अबदानान शहर में बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरती दिखे। बीते एक हफ्ते में इस शहर में कई बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं।

वीडियो में देखा गया कि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, लोग अपने परिवारों के साथ सड़कों पर मार्च कर रहे हैं और नारे लगा रहे हैं। इस दौरान ऊपर आसमान में हेलीकॉप्टर भी मंडराते दिखे। प्रदर्शनकारियों की संख्या वहां मौजूद सुरक्षा बलों से कहीं ज्यादा नजर आई। नॉर्वे में स्थित एक मानवाधिकार संगठन के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 27 प्रदर्शनकारियों की जान चली गई है। इनमें 18 साल से कम उम्र के पांच बच्चे भी शामिल हैं। ईरानी सरकार ने यह भी माना

है कि हिंसा में सुरक्षा बलों को भी नुकसान हुआ है। मंगलवार को एक पुलिसकर्मी के मारे जाने की पुष्टि की गई है। सरकारी मीडिया ने बताया कि अशांति के दौरान कम से कम तीन लोगों की मौत हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पहले मारे गए प्रदर्शनकारियों के अंतिम संस्कार के बाद हुई झड़पों में एक पुलिसकर्मी को गोली मार दी गई। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इस हफ्ते पहली बार सार्वजनिक रूप से इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कड़ा बयान देते हुए कहा कि उपद्रवियों को सख्ती से रोका जाना चाहिए। जिन इलाकों में 28 दिसंबर को सबसे पहले प्रदर्शन शुरू हुए थे, वहां अब भी तनाव बना हुआ है। उस दिन दुकानदारों ने अपने कारोबार बंद कर विरोध जताया था।

किसी के सगे नहीं ट्रंप! प्रशासन के कड़े रुख से नाटो गठबंधन पर मंडराया खतरा

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 07 जनवरी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खनिज संसाधनों से समृद्ध और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र ग्रीनलैंड पर नियंत्रण पाने के प्रयासों को तेज कर दिया है। व्हाइट हाउस की ओर से की गई हालिया घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मचा दी है, जिसमें स्पष्ट किया गया है कि राष्ट्रपति इस स्वशासित क्षेत्र के अधिग्रहण को अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा की सर्वोच्च प्राथमिकता मान रहे हैं। अमेरिका की इस महत्वाकांक्षी योजना में सैन्य कार्रवाई सहित विभिन्न विकल्पों पर चर्चा शुरू कर दी गई है, जिसके कारण न केवल डेनमार्क बल्कि पूरे यूरोपीय संघ और नाटो गठबंधन के भीतर तनाव चरम पर पहुंच गया है। डेनमार्क ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि अमेरिका का ऐसा कोई भी कदम पिछले 80 वर्षों से कायम ट्रांसअटलांटिक सुरक्षा संबंधों को जड़ से खत्म कर सकता है।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन

लेविट के अनुसार, ग्रीनलैंड का अधिग्रहण रूस और चीन जैसे वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति और उनकी टीम इस विदेश नीति लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है और कमांडर-इन-चीफ के रूप में अमेरिकी सेना का उपयोग करना हमेशा एक विकल्प के तौर पर मेज पर मौजूद है। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन का प्राथमिक और पसंदीदा विकल्प ग्रीनलैंड को डेनमार्क से खरीदना है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सांसदों को इस संबंध में जानकारी देते हुए संकेत दिए हैं कि सैन्य विकल्पों की चर्चा का अर्थ तुरंत आक्रमण नहीं है, बल्कि यह रणनीतिक दबाव बनाने की एक प्रक्रिया हो सकती है। इस घटनाक्रम पर डेनमार्क और ग्रीनलैंड की प्रतिक्रिया अत्यंत तीखी रही है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक निल्सन ने दो टूक शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है और इस द्वीप के भविष्य का फैसला केवल वहां के 57,000 निवासी ही कर सकते हैं।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *